यीशु पुकारते हैं

YEESHU PUKARTHE HEIN HINDI MONTHLY - MAY 2026
VOL. 24 ISSUE 11 - 28 PAGES - RS. 21/-

मई 2026

क्योंकि यहोवा ने सिय्योन को फिर बसाया है,
और वह अपनी महिमा के
साथ दिखाई देता है
(भजन संहिता 102:16)

सांगली में परमेश्वर की
अदम्य गति

महाराष्ट्र प्रार्थना महोत्सव, सांगली /13-15 मार्च, 2026

महाराष्ट्र प्रार्थना महोत्सव के दौरान, उच्च न्यायालय का एक उल्लेखनीय फैसला आया, जिसने पुलिस के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें सभाओं को रद्द कर दिया गया था, और प्रार्थना महोत्सव को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी। दूसरे और तीसरे दिन भी सभाएँ बिना किसी रुकावट के जारी रहीं; हर दिन लगभग 50,000 लोग व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, जबकि लाखों और लोग सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़े।

डॉ पॉल दिनाकरन ने व्यवस्थाविवरण 7:13 से संदेश दिया, यह ज़ोर देकर कहा कि प्रभु अपने लोगों से प्रेम करते हैं, उन्हें आशीष देते हैं और उनकी बढ़ोतरी करते हैं। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि चमत्कार यीशु मसीह के द्वारा होते हैं, जिसने क्रूस पर हमारी बीमारियों और श्रापों को अपने ऊपर ले लिया। उन्होंने विश्वास के द्वारा संघर्षों पर विजय पाने और परमेश्वर का वह ज्ञान प्राप्त करने के बारे में भी बात की, जो जीवन की बहाली की ओर ले जाता है।

बहन इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन ने भजन संहिता 46:1 से संदेश साझा किया, और यह प्रोत्साहन दिया कि संकट के समय में परमेश्वर हमारी तत्काल सहायता हैं। भाई सैमूएल दिनाकरन ने प्रेरितों के काम 1:4-5 से पवित्र आत्मा के सामर्थ्यकारी कार्य के बारे में बात की। बहन स्टेल्ला रमोला और भाई डैनियल डेविडसन के नेतृत्व में हुई आराधना ने पूरी मंडली को एक साथ मिलकर सच्ची स्तुति करने के लिए एकजुट किया।

पूरी सभाओं के दौरान पवित्र आत्मा की एक शक्तिशाली हलचल देखी गई, और लोगों के बीच परमेश्वर की प्रत्यक्ष उपस्थिति महसूस की गई।

कई लोगों ने चंगाई, जीवन की बहाली और छुटकारा पाने का अनुभव किया, क्योंकि पाप और व्यसनों की जंजीरें टूट गई। इसके परिणामस्वरूप, अनगिनत लोगों ने अपने हृदय यीशु के प्रेम को समर्पित कर दिए।

पासवानों की आशीष सभा / 13 मार्च, 2026

पासवानों की आशीष सभा ने कई पासवानों को मज़बूत किया और उनका हौसला बढ़ाया; उनमें से कई ने परमेश्वर का एक नया अभिषेक और उनका स्पर्श प्राप्त किया। डॉ पॉल दिनाकरन ने उनके लिए प्रार्थना की, और परमेश्वर से विनती की कि वे उन्हें अपने जीवन से भर दें और उनकी सेवकाई को आशीष दें। प्रकाशितवाक्य 10:7, 11 का हवाला देते हुए, उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि वे अपनी बुलाहट में दृढ़ रहें, विश्वासयोग्यता के साथ परमेश्वर के वचन का प्रचार करें, और लोगों को परमेश्वर की दृष्टि में सही जीवन जीने के लिए प्रेरित करें। इसके बाद भाई सैमूएल दिनाकरन ने यशायाह 55:9 से संदेश साझा किया, और उन्हें परमेश्वर के मार्गों पर भरोसा रखने तथा यह विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित किया कि परमेश्वर उनकी सेवकाई का विस्तार करेंगे और उनकी ज़रूरतों को पूरा करेंगे।

सहभागियों की आशीष सभा /14 मार्च, 2026

'यीशु बुलाता है सहभागी सभा' में लगभग 1,500 मिनिस्ट्री सहभागी विश्वास और परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता के साथ एक साथ आए। चमत्कारी चंगाई, छुटकारा और ईश्वरीय प्रावधान की गवाहियाँ साझा की गई, जिससे उनके जीवन में परमेश्वर के कार्यों की महिमा हुई। डॉ पॉल दिनाकरन ने परमेश्वर के परिवार के हिस्से के रूप में प्रत्येक सहभागी को प्रोत्साहित किया, और उन्हें जीवन की बहाली तथा परमेश्वर की स्थायी शांति का आश्वासन दिया। इसके बाद, भाई सैमूएल दिनाकरन ने विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना की, ताकि वे अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। प्रत्येक सहभागी के लिए व्यक्तिगत प्रार्थनाएँ की गई, जिससे उनके जीवन में परमेश्वर का सांत्वना और उसकी आत्मा का एक नया स्पर्श आया।

प्रभु सब कुछ बहाल करते हैं

प्रियजनों, जैसे ही हम मई के इस नए महीने में प्रवेश करते हैं, प्रभु भजन संहिता 102:16 से आपके लिए यह प्रतिज्ञा देते हैं: 'क्योंकि यहोवा ने सिय्योन को फिर बसाया है, और वह अपनी महिमा के साथ दिखाई देता है।' यह आश्वासन केवल सिय्योन तक ही सीमित नहीं है; यह आज आपके लिए भी है। वही परमेश्वर जो सिय्योन को फिर से बनाते हैं, अब आपकी परिस्थिति में कदम रख रहे हैं। वह उस सब को फिर से बनाने जा रहे हैं जो टूट गया है और आपकी शांति को बहाल करने जा रहे हैं। जो बात आपको चिंतित करती है, वह उसे भी चिंतित करती है, और वह इसे अधूरा नहीं छोडेंगे। उनकी महिमा छिपी नहीं रहेगी, बल्कि आने वाले दिनों में आपके जीवन में प्रकट होगी।

वचन कहता है कि 'वह सिय्योन के फाटकों को याकूब के सारे निवासों से बढ कर प्रीति रखता है।' (भजन संहिता 87:2), और वह आपको त्यागा हुआ नहीं कहते (यशायाह 62:4), भले ही आपकी वर्तमान परिस्थिति आपको इसके विपरीत महसूस कराती हो। आप सोच रहे होंगे कि चीजों में देरी क्यों हो रही है, आपके प्रयासों के परिणाम क्यों नहीं मिल रहे हैं, या दरवाजे बंद क्यों लग रहे हैं। आप अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हो सकते हैं, दाखिला दिलाने की कोशिश में जगह-जगह भटक रहे हो सकते हैं, दूसरों से मदद मांग रहे हो सकते हैं, या उनकी पढाई के लिए पैसों का इंतजाम करने में संघर्ष कर रहे हो सकते हैं। ये चिंताएँ आपके दिल पर भारी पड.सकती हैं और आपको निराश कर सकती हैं।

लेकिन इन सबके बीच, प्रभु धीरे से आपको याद दिलाते हैं, 'प्रभु मेरी चिन्ता करता है।' (भजन संहिता 40:17)। उसने आपकी परिस्थिति को नजरअंदाज.नहीं किया है, न ही वह आपकी जरूरत को भूले हैं। अभी भी, वह पर्दे के पीछे चुपचाप ऐसे तरीकों से काम कर रहे हैं जिन्हें आप शायद अभी देख नहीं पा रहे हैं। जो दरवाजे लंबे समय से बंद रहे हैं, वे खुलने लगेंगे, और सही समय पर मदद आ पहुँचेगी। जिस चीज.का इंतजाम आप अपने प्रयासों से नहीं कर पाए हैं, परमेश्वर स्वयं अपने सही समय पर उसे पूरा करेंगे।

परमेश्वर का वचन घोषणा करता है, 'तब वे बहुत काल के उजडे हुए स्थानों को फिर बसाएंगे,

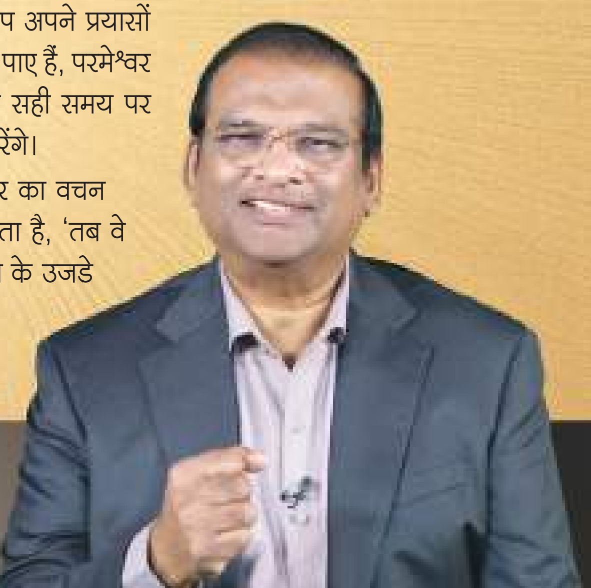

डॉ पॉल दिनाकरन - paul@jesuscalls.org
Pauldinakaranofficial

पूर्वकाल से पडे हुए खण्डहरों में वे फिर घर बनाएंगे;' (यशायाह 61:4)। प्रभु आपके जीवन में यही करेंगे। जो चीजें.वर्षों से रुकी हुई थीं, वे आगे बढने लगेंगी, और जो टूटा हुआ लग रहा था, वह धीरे-धीरे फिर से आकार लेने लगेगा। इंतजार का मौसम अब खत्म होने वाला है, और बहाली का एक नया मौसम अभी शुरूहो रहा है। परमेश्वर का यह काम केवल आप तक ही सीमित नहीं रहेगा; आपके बच्चे और यहाँ तक कि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस आशीष में चलेंगी। जो आज खंडहर जैसा दिखता है, वह जल्द ही परमेश्वर की वफादारी का गवाह बन जाएगा, और आप साफ-साफ देखेंगे कि उसका हाथ काम कर रहा है।

नुकसान से लेकर आपके भाग्य की ईश्वरीय बहाली तक

''मैं अपनी प्रजा इस्राएल के बंधुओं को फेर ले आऊंगा, और वे उजड़े हुए नगरों को सुधारकर उन में बसेंगे; वे दाख की बारियां लगा कर दाखमधु पीएंगे,और बगीचे लगा कर उनके फल खाएंगे।''

(आमोस 9:14)

आप संतुष्टि और आशीर्वाद के एक नए क्षेत्र में प्रवेश करेंगे

जीवन में ऐसे भी दौर आते हैं जब ऐसा लगता है कि हम लगातार मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उसके कोई दिखाई देने वाले नतीजे नहीं मिल रहे हैं। हो सकता है कि आपने बहुत कडी मेहनत की हो, फिर भी तरक्की धीमी लग रही हो, और जो नतीजे आपको मिल रहे हैं, वे आपकी उम्मीद के मुताबिक न हों। कभी-कभी तो ऐसा भी लग सकता है कि सब कुछ उल्टी दिशा में जा रहा है। लेकिन प्रभु कह रहे हैं कि यह स्थिति हमेशा ऐसी ही नहीं रहेगी।

पवित्र शास्त्र हमें याद दिलाता है, 'परन्तु हम गढे हुए पत्थरों से घर बनाएंगे; गूलर के वृक्ष तो कट गए हैं परन्तु हम उनकी सन्ती देवदारों से काम लेंगे।' (यशायाह 9:10)। जब परमेश्वर फिर से निर्माण करते हैं, तो वे सिर्फ.खोई हुई चीजों को वापस नहीं लाते; बल्कि वे उन्हें और मजबूत बनाते हैं और उन्हें पहले से भी बेहतर तरीके से स्थापित करते हैं। अगर आपका व्यापार या पेशा संघर्षों से भरा रहा है, जिसमें न कोई मुनाफा हुआ है और न ही कोई तरक्की मिली है, तो प्रभु आपके सामने नए रास्ते खोलेंगे। वे आपको बुद्धि, नए विचार और सही अवसर देंगे, जिनसे आपके जीवन में विकास और स्थिरता आएगी।

आप अपनी मेहनत का फल ऐसे रूप में देखना शुरू करेंगे, जैसा अनुभव आपने पहले कभी नहीं किया होगा। 'अंगूर के बाग.लगाना और उनकी दाखमधु पीना' का अर्थ यह है कि आपने जिस चीज.के लिए मेहनत की है, आप उसका सचमुच आनंद उठाएंगे। प्रभु आपकी मेहनत की रक्षा करेंगे, ताकि जो चीज.आपकी है, उसे कोई आपसे छीन न सके (भजन संहिता 128:2)। वे आपके काम में आपको संतुष्टि देंगे, और आपका जीवन फलदायी और परिपूर्ण बन जाएगा।

उसने बहुतायत का वादा किया है, ठीक उस देश की तरह, जहाँ दूध और शहद की नदियाँ बहती हैं (व्यवस्थाविवरण 8:10)और यह देखकर, कि यहोवा इस्राएल को आशीष ही दिलाना चाहता है, (गिनती 24:1)

हम यह बात अय्यूब के जीवन में साफ-साफ देख सकते हैं। एक समय वह बहुत धन-संपत्ति और आशीषों वाला व्यक्ति था, लेकिन एक ही दौर में उसने सब कुछ खो दिया: अपनी सारी संपत्ति, अपना परिवार, और यहाँ तक कि अपना स्वास्थ्य भी। फिर भी, उस गहरे नुकसान के बावजूद, उसने परमेश्वर का साथ न छोडने का फैसला किया और उनसे मुँह नहीं मोडा। अंत में, प्रभु ने न सिर्फ.उसकी खोई हुई चीजों को वापस लौटाया, बल्कि उसे पहले से भी कहीं ज्यादा बहुतायत से आशीष दी। 'यहोवा ने अय्यूब के पिछले दिनों में उसको अगले दिनों से अधिक आशीष दी;' (अय्यूब 42:12)। उसके बाद के दिन उसके शुरु आती दिनों से कहीं ज्यादा आशीष भरे थे; यह हमें दिखाता है कि परमेश्वर की बहाली कभी भी अधूरी नहीं होती, बल्कि वह पूरी और भरपूर होती है।

इसी तरह, दाऊद का जीवन हमें याद दिलाता है कि जब सब कुछ खोया हुआ सा लगे, तब भी परमेश्वर उसे वापस लाने में समर्थ है। एक समय ऐसा भी आया जब दाऊद को एक बहुत बडे. नुकसान का सामना करना पडा, और यहाँ तक कि उसके आस-पास के लोग भी उसके खिलाफ हो गए। फिर भी, जब उसने प्रभु की ओर रुख किया और उससे मार्गदर्शन माँगा, तो परमेश्वर ने उसे मजबूती दी और उसे वह सब कुछ वापस पाने में समर्थ बनाया जो उससे छीन लिया गया था। एक भी चीज.बाकी नहीं रही। 'दाऊद ने वह सब कुछ वापस पा लिया जो अमालेकियों ने उससे छीन लिया था... कुछ भी बाकी नहीं रहा, चाहे वह छोटा हो या बडा... दाऊद वह सब कुछ वापस ले आया' (1 शमूएल 30:18-19)। यही परमेश्वर की वफादारी है। वह पूरी तरह से बहाली करता है, और जिस चीज.को वह बहाल करता है, उसे मजबूती से स्थापित भी करता है।

बाइबल हमें यह भरोसा दिलाती है: 'इस के बाद मैं फिर आकर दाऊद का गिरा हुआ डेरा उठाऊंगा, और उसके खंडहरों को फिर बनाऊंगा, और उसे खडा करूंगा।' (प्रेरितों के काम 15:16)। भले ही आपको ऐसा लगे कि जो चीजें.आपके परिवार की थीं, वे आपके हाथों से फिसलती जा रही हैं, फिर भी प्रभु उन्हें अपने ही तरीके से बहाल करेंगे। आपकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी, और जिस स्थिति का सामना आप अभी कर रहे हैं, वह हमेशा वैसी ही नहीं रहेगी। प्रभु बदलाव लाएँगे और आपको अपने आशीषों में स्थापित करेंगे।

संघर्षों से लेकर आपके परिवार में शांति की बहाली तक

'जिन वर्षों की उपज टिड्डियों ने खा ली थी, मैं उसकी हानि तुम को भर दूंगा।' (योएल 2:25-28)

परिवार परमेश्वर की बनाई हुई एक व्यवस्था है, जिसे प्रेम, सहारा और शांति का स्थान बनाने के लिए रचा गया है। फिर भी, कई परिवारों के जीवन में ऐसे दौर आते हैं जब यह शांति भंग हो जाती है। छोटी-छोटी परेशानियाँ बडे.बोझ में बदल जाती हैं, और वह आनंद जो कभी घर को खुशियों से भर देता था, धीरे-धीरे फीका पडने लगता है।

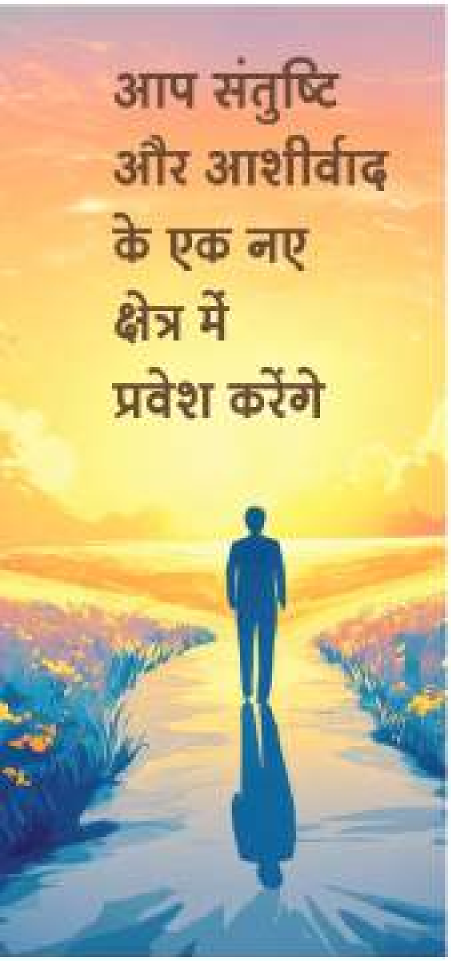

लेकिन परमेश्वर आपके परिवार को भूला नहीं है। वह न केवल उन बीते हुए वर्षों को लौटाने में समर्थ है जो खोए हुए से लगते हैं, बल्कि उस शांति और आनंद को भी वापस लाने में सक्षम है जो कभी आपके घर की पहचान हुआ करते थे।

भाई धयालन की गवाही इस सच्चाई को बहुत ही वास्तविक रूप में दर्शाती है। वह एक समय अपनी पत्नी और बेटियों के साथ शांतिपूर्वक रहते थे, और उनका घर खुशियों से भरा रहता था। हालाँकि, जब कोविड महामारी का असर चेन्नई में एक दो-पहिया वाहन कंपनी में उनके काम पर पडा, तो सब कुछ बदलने लगा। वह पुडुचेरी चले गए और स्पेयर पार्ट्स बेचकर अपना गुजारा करने की कोशिश की, लेकिन उसके तमाम प्रयासों के बावजूद, उसका यह व्यवसाय सफल नहीं हो पाया। तीन लंबे वर्षों तक उसे संघर्ष करना पडा, और इस दौरान, परिस्थितियों के दबाव का असर घर के माहौल पर भी पडने लगा। जिस शांति का वे कभी आनंद लेते थे, वह धीरे-धीरे भंग होने लगी।

उस कठिन दौर में, उन्हें अड्यार स्थित 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' की याद आई, जहाँ वह पहले कभी प्रार्थना के लिए गए थे। अपने हृदय में विश्वास लिए हुए, वह पुडुचेरी स्थित प्रार्थना भवन पहुँचे। वहाँ, उन्होंने और उनकी पत्नी ने स्वयंसेवक (volunteer) के रूप में सेवा करना शुरू कर दिया; उन्होंने अपने संघर्षों के बीच भी परमेश्वर के और करीब आने का मार्ग चुना। जब मै वहाँ के सहयोगियों (partners) के लिए प्रार्थना करने गया, तो उन्होंने अपने परिवार की स्थिति के बारे में मुझे बताया। जब हम प्रार्थना कर रहे थे, तभी प्रभु ने मुझे एक स्पष्ट वचन दिया कि जो कुछ भी उन्होंने खोया है, वह उन्हें दुगनी मात्रा में वापस लौटा दिया जाएगा। एक ही सप्ताह के भीतर, कुछ ऐसा हुआ जिसकी किसी को उम्मीद भी नहीं थी। उनका एक मित्र आगे आया और उसने उन्हें उनकी पुरानी नौकरी वापस दिलाने में मदद की। जिस काम में वर्षों की देरी होती प्रतीत हो रही थी, वह इतनी शीघ्रता से पूरा हो गया। आज, उनका परिवार एक बार फिर सुख-शांति के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है, और उनकी बेटियाँ 'यीशु बुलाता है' के युवा-सेवा कार्य (youth ministry) में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। जो समय कभी तनाव और कठिनाइयों से भरा था, वह अब परमेश्वर के अनुग्रह और पुनर्स्थापन की एक जीवंत गवाही बन चुका है।

ठीक इसी प्रकार, प्रभु आपके परिवार की परिस्थितियों में भी हस्तक्षेप करेंगे। वह उन सभी बातों को चंगा करेंगे जिनमें दरार आ गई है; जहाँ गलतफहमियाँ पैदा हो गई थीं, वहाँ वह आपसी समझ को पुनः स्थापित करेंगे; और एक बार फिर आपके घर को अपनी शांति और अपनी उपस्थिति से भर देंगे।

टूटी हुई प्रतिष्ठा से पुनः प्राप्त सम्मान की ओर

'तेरा एक नया नाम रखा जाएगा।'

(यशायाह 62:2)

कई बार ऐसा होता है जब किसी व्यक्ति का नाम, परिस्थितियों, गलतफहमियों या दूसरों की बातों के कारण बदनाम हो जाता है। इससे मन में हिचकिचाहट पैदा हो सकती है और आप लोगों से दूर हटने लगते हैं, यह सोचते हुए कि लोग आपको किस नजर से देख रहे हैं।

लेकिन प्रभु ही वह हैं जो सम्मान को बहाल करते हैं। वह हर आरोप, हर गलतफहमी और आपकी कमजोरी के हर पल से परे देखते हैं। यदि आपके नाम पर कोई दाग लगा है, तो वह अपने सही समय पर आपको फिर से ऊपर उठाएँगे।

जैसा कि लिखा है, 'वह आपको जिनकी लज्जा की चर्चा सारी पृथ्वी पर फैली है, उनकी प्रशंसा और कीर्ति सब कहीं फैलाऊंगा।' (सपन्याह 3:19-20)

कोलकाता की बहन डेवोनिथा की गवाही इस बात को बहुत खूबसूरती से दर्शाती है। एक पोस्टग्रेजुएट इंजीनियर होने के नाते, महामारी के दौरान उनका तबादला जमशेदपुर के एक ऐसे प्लांट में कर दिया गया जहाँ पुरुषों का वर्चस्व था। उस

माहौल में, अपने मसीही विश्वास और अपने लिंग (स्त्री होने) के कारण, उसे उपहास का सामना करना पडा और उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसकी वह हकदार थीं। इन चुनौतियों के बावजूद, वह विश्वास में दृढ.रहीं और अपनी ज़िम्मेदारियों को निभाती रहीं, यहाँ तक कि अपनी बीमार माँ की देखभाल के लिए उसे लंबी दूरी भी तय करनी पडती थी। जब उन्होंने दीमापुर में 'यीशु बुलाता है भविष्यसूचक प्रार्थना ट्रेनिंग' में भाग लिया, तो उनके लिए प्रार्थना की गई और एक भविष्यसूचक वचन दिया गया कि घर लौटने पर प्रभु उन्हें एक सुखद आश्चर्य देंगे। उसने उस वचन को पूरे विश्वास के साथ थामे रखा। इसके कुछ ही समय बाद, उसके घर के नजदीक वापस तबादले को मंजूरी मिल गई। जिस जगह पर कभी उन्हें उपेक्षा और कठिनाई का सामना करना पडा था, वह स्थिति अब उनके जीवन में गरिमा, राहत और शांति लेकर आई; साथ ही, अब वह बिना किसी संघर्ष के अपनी माँ की देखभाल भी कर पा रही थीं।

जिस प्रभु ने उनके सम्मान को बहाल किया, वही आपके लिए भी ऐसा ही करेंगे। वह उस चीज. को, जिसके कारण आपको अपमान सहना पडा था, गरिमा के स्थान में बदल देंगे और आपको अपनी कृपा में स्थापित करेंगे।

अब कोई अपमान नही, बल्कि केवल प्रशंसा और सम्मान मिलेगा

लुप्त होती महिमा से लेकर परमेश्वर की महिमा की बहाली तक

'इस भवन की पिछली महिमा इसकी पहिली महिमा से बड़ी होगी।' (हाग्गै 2:9)

हो सकता है कि कभी-कभी आपको ऐसा लगे कि आपके जीवन से परमेश्वर की उपस्थिति दूर हो गई है। आप सोच सकते हैं कि क्या आप कभी फिर से उस निकटता का अनुभव कर पाएँगे। लेकिन उसकी प्रतिज्ञा स्पष्ट है; बाद की महिमा पहले वाली से कहीं अधिक महान होगी।

जब आप सच्चे मन से उसे खोजते हैं, तो उसकी उपस्थिति और भी गहरे तथा शक्तिशाली रूप में आपके जीवन में लौट आती है।

तिरुनेलवेली के भाई महेंद्रन ने अपने जीवन में इसी पुनर्स्थापना का अनुभव किया। लंबे समय तक, उनका जीवन शराब की लत के साए में रहा, जिसके कारण उनके परिवार को बहुत दुख और परेशानियों का सामना करना पडा। परमेश्वर ने उनके लिए जिस शांति की योजना बनाई थी, वह उनके जीवन से नदारद थी, और उनका जीवन उस स्थिति से कोसों दूर महसूस होता था, जो..ऐसा ही होना चाहिए था। लेकिन परमेश्वर ने उसे वहीं नहीं छोड.दिया। जब वह 'यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री' के संपर्क में आया और उसे प्रार्थना का सहारा मिला, तो वह अपनी लत से पूरी तरह आजाद हो गया। फिर भी, उसके बाद भी उसे एक और चुनौती का सामना करना पडा, व्यापार का भारी कर्ज, जो उसे एक ऐसी मुश्किल लग रही थी जिसका कभी अंत नहीं होगा। उस हालत में, वह एक 'प्रार्थना महोत्सव' में गया, इस उम्मीद में कि उसे कोई राह मिलेगी। प्रार्थना के समय, एक भविष्यवाणी की गई कि परमेश्वर का हाथ उस पर है, ताकि उसे एक 'उत्तम प्रतिफल' मिल सके। ठीक उसी पल, उसने अपने दिल में एक दिव्य शांति और शक्ति का अनुभव किया, कुछ ऐसा जो उसने बहुत लंबे समय से महसूस नहीं किया था।

प्रभु यहीं नहीं रुके। उसके बाद के दिनों में, उसका कर्ज. चुक गया, और उसके जीवन में पूरी आजादी आ गई। आज, उसका जीवन परमेश्वर की बहाली का एक जीता-जागता गवाह है। जो जीवन कभी अंधेरे में डूबा था, वह अब परमेश्वर की महिमा से भर गया है, और वह बडे.आनंद और आजादी के साथ प्रभु की सेवा करता है।

चमत्कार करने वाला परमेश्वर आपके लिए भी ऐसा ही करेगा। वह खोई हुई चीजों को लौटाएगा, टूटी हुई चीजों को फिर से बनाएगा, और उन क्षेत्रों में भी आजादी लाएगा जहाँ यह असंभव लगता है। जैसे ही आप अपना जीवन उसके हाथों में सौंप देंगे, आप उसकी बहाली की शक्ति और उसकी महिमा का अनुभव और भी गहरे तरीके से करने लगेंगे। वह आपको ऊँचा उठाएगा और आपकी कल्पना से भी कहीं ज्यादा आपका इस्तेमाल करेगा। ठीक वैसे ही जैसे यूसुफ को राष्ट्रों का मार्गदर्शन करने के लिए ऊँचा उठाया गया था (उत्पत्ति 41:42), प्रभु आपको बुद्धि और अनुग्रह देगा, और यहाँ तक कि अधिकार रखने वाले लोग भी आपके जीवन पर उसके अनुग्रह को पहचानेंगे। वह आपको अपनी आत्मा से भर देगा और आपको उसके वचन को बोलने का अनुग्रह प्रदान करेगा (प्रकाशितवाक्य 10:11)

जैसे-जैसे आप लगातार उसे खोजते रहेंगे, आपका जीवन दिन-ब-दिन बदलता जाएगा, और उसकी महिमा और भी ज्यादा दिखाई देगी। जैसा कि लिखा है, आप 'हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश कर के बदलते जाते हैं' (2 कुरिन्थियों 3:18) परमेश्वर का बहाली करने वाला हाथ आप पर बना रहे और आपको एक ऐसे जीवन की ओर ले जाए जो उसकी पूर्णता से भरा हो।

प्रार्थना: हे पिता, तेरा बहाली करने वाला हाथ तेरे लोगों पर आए और जीवन के हर टूटे हुए हिस्से को फिर से बनाए, जिससे शांति, जरूरत की चीजें.और संपूर्णता आए। हर हानि को एक गवाही में बदल दे, हर बोझ को हटा दे, और हर जीवन को अपने अनुग्रह में स्थापित कर। आमीन।

सोशल मीडिया प्रायोजक

'विश्वास सुनने और सुनना परमेश्वर के वचन से आता है।'
(रोमियों 10:17)

शोर से भरी इस दुनिया में, परमेश्वर की आवाज़ आज भी लोगों तक पहुँचती हैन केवल उपदेश के मंचों से, बल्कि स्क्रीन के माध्यम से भी। सही समय पर बोला गया सही शब्द जीवन देने वाला होता है, जैसा कि नीतिवचन 25:11 में कहा गया है, 'जैसे चाँदी की टोकरियों में सोने के सेब।' हर दिन, 'यीशु बुलाता है' (Jesus Calls) के सोशल मीडिया कार्यक्रमों के ज़रिए, परमेश्वर का वचन फ़ोन और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से लोगों तक पहुँचता है, घरों में, अस्पतालों के कमरों में, कक्षाओं में, और हर उस दिल में प्रवेश करता है जो चुपचाप आशा के लिए पुकार रहा है।

इसका प्रभाव परमेश्वर का वचन कभी व्यर्थ नहीं लौटता (यशायाह 55:11)। यह लोगों तक पहुँचता है, उन्हें बहाल करता है, और उनमें नई जान फूँक देता है।

'मेरा नाम रजनी है। मैं केरल से हूँ। जब मैं पढ़ाई कर रही थी, तभी मेरे पिता का निधन हो गया, जिसके कारण मैं गहरे अवसाद (डिप्रेशन) में चली गई। अस्वीकृति, लगातार असफलता और आर्थिक संघर्षों ने मुझे पूरी तरह से घेर लिया था, और जीवन मुझे असहनीय लगने लगा था। ऐसे ही एक सबसे कठिन दौर में, र्धीर्धीलश पर मेरी नज़र 'यीशु बुलाता है' के एक कार्यक्रम पर पड़ी। सैमूएल पॉल दिनाकरन द्वारा साझा किए गए संदेशों से मुझे बहुत अधिक प्रोत्साहन मिला। जैसे-जैसे मैं उन संदेशों को सुनती गई, परमेश्वर का वचन मेरे टूटे हुए मन को सांत्वना देने लगा। मेरे मन का भारीपन दूर हो गया, आत्महत्या के विचार पूरी तरह से समाप्त हो गए, और मैं परमेश्वर की शांति से भर गई। नई शक्ति पाकर, मैंने अपनी पढ़ाई फिर से शुरू की और उसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने लगी। परमेश्वर की महिमा हो!'

केवल एक संदेश सही समय पर रजनी तक पहुँचा, और उसका जीवन पूरी तरह से बदल गया। यही वह शक्ति है जो डिजिटल मीडिया के माध्यम से परमेश्वर के वचन द्वारा कार्य करती है।

आवश्यकता

हर महीने, 'यीशु बुलाता है' के सभी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, जिनमें YouTube भी शामिल है, पर प्रार्थनापूर्वक 750 कार्यक्रम साझा किए जाते हैं, जो लगातार लोगों के जीवन को बदल रहे हैं। हर कार्यक्रम में परमेश्वर का वचन होता है, जो विभिन्न देशों के लोगों के लिए आशा, चंगाई और सही दिशा लेकर आता है।

हालाँकि, इस मिशन के साथ एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी और लागत भी जुड़ी हुई है। हर कार्यक्रम में स्टूडियो रिकॉर्डिंग, तकनीकी उपकरण, एडिटिंग, डिजिटल स्टोरेज, प्रसारण शुल्क और एक समर्पित टीम की आवश्यकता होती है, जो पर्दे के पीछे रहकर पूरी निष्ठा के साथ अपना काम करती है। कुल मिलाकर, इस सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने के लिए हर महीने लगभग रु 1 करोड़ की आवश्यकता होती है। जैसे-जैसे हम प्रार्थना करते हुए इस दिशा में आगे बढ़ते हैं, हमारा लक्ष्य हर दिन 6 लाख लोगों तक यीशु का जीवन-बदल देने वाला संदेश पहुँचाना है। यह एक ऐसा मिशन क्षेत्र है जहाँ लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, ताकि परमेश्वर का वचन बिना किसी रुकावट के लोगों तक पहुँचता रहे। हर कार्यक्रम किसी न किसी के लिए यीशु से मिलने का एक अवसर होता है; ताकि किसी का जीवन बचाया जा सके, उसे फिर से संवारा जा सके और उसे मज़बूत बनाया जा सके। आपका सहयोग सीधे तौर पर इस कार्य को जारी रखने में मदद करता है।

आप कैसे सहयोग कर सकते हैं?

प्रायोजक – रु 30,000

आप पूरे 'Today's Blessing' कार्यक्रम को प्रायोजित कर सकते हैं और परमेश्वर के वचन को हज़ारों लोगों तक पहुँचाने का माध्यम बन सकते हैं।

- ✻ डॉ पॉल दिनाकरन रोज़ाना के 'प्रतिज्ञा वीडियो' (Promise Video) में आपकी प्रार्थनाओं के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना करेंगे, जहाँ आपके परिवार की तस्वीर भी दिखाई जाएगी।
- ✻ प्रायोजित वीडियो वेबसाइट के 'दैनिक भक्ति' (Daily Devotion) पेज पर और 'यीशु बुलाता है' के सभी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर (YouTube सहित) दिखाया जाएगा, और यह पूरे दिन उपलब्ध रहेगा।
- ✻ कार्यक्रम का लिंक, आपके व्यक्तिगत प्रार्थना वीडियो के साथ, आपको WhatsApp के माध्यम से भेजा जाएगा।

सह-प्रायोजक – रु 10,000

आप दूसरों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सहयोग कर सकते हैं और इस आशीष में भागीदार बन सकते हैं।

- ✻ आपका नाम और तस्वीर संबंधित कार्यक्रम में दिखाई जाएगी।
- ✻ डॉ पॉल दिनाकरन आपकी प्रार्थनाओं के लिए प्रार्थना करेंगे, और वह वीडियो आपको WhatsApp के माध्यम से भेजा जाएगा।
- ✻ प्रायोजित वीडियो वेबसाइट के 'दैनिक भक्ति' (Daily Devotion) पेज पर और 'यीशु बुलाता है' के सभी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर (YouTube सहित) दिखाया जाएगा, और यह पूरे दिन उपलब्ध रहेगा।

आपके सहयोग से, परमेश्वर का वचन हर दिन लाखों लोगों तक पहुँचता रहेगा, और अनगिनत लोगों के जीवन में आशा और बदलाव लाएगा।

अधिक जानकारी के लिए: ✻ वेबसाइट: www.jesuscalls.org/sms ✻ फ़ोन नंबर: 9500127277

✻ प्रार्थना भवन (Prayer Tower): आप अपने क्षेत्र में स्थित 'यीशु बुलाता है' के प्रार्थना भवन में जा सकते हैं।

✻ पता: Prayer Tower, 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Road, Chennai 600 028

Scan QR Code donate to SMS

परिवार अनुभाग

फिर से बहाल

प्रिय मित्र, अनिश्चितता, टूटन और खामोश संघर्षों से भरी इस दुनिया में, बहाली का वादा उन सबसे शक्तिशाली आश्वासनों में से एक है जो परमेश्वर अपने लोगों को देता है। पवित्र शास्त्र के वचनों के माध्यम से, हमें याद दिलाया जाता है कि कोई भी स्थिति इतनी बिगडी हुई नही है, कोई भी जीवन इतना टूटा हुआ नही है, और कोई भी आशा इतनी खोई हुई नही है जिसे परमेश्वर फिर से बहाल न कर सके।

यहेजकेल 37:14 में, प्रभु घोषणा करता है, 'मैं अपनी आत्मा तुम में डालूँगा और तुम जीवित हो जाओगे।' यह प्रतिज्ञा सबसे पहले उन लोगों से किया गया था जिन्होंने अपना सब कुछ खो दिया था। इस्राएली, जो कई वर्षों से निर्वासन में थे, खुद को निराशा की स्थिति में पा रहे थे। उनकी पुकार सच्ची और हृदय-विदारक थी: 'हमारी हड्डियाँ सूख गई हैं और हमारी आशा जाती रही; हम तो मिट ही गए।' वे भविष्य की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। जीवन, जैसा कि वे उसे जानते थे, समाप्त प्रतीत होता था।

उनकी स्थिति को दर्शाने के लिए, परमेश्वर ने भविष्यवक्ता यहेजकेल को एक दर्शन दिया, एक ऐसी घाटी का जो सूखी हड्डियों से भरी थी। यह केवल शारीरिक मृत्यु का चित्र नहीं था, बल्कि आध्यात्मिक शून्यता और प्राणहीन विश्वास का प्रतीक था। हड्डियाँ बिखरी हुई थीं, एक-दूसरे से कटी हुई थीं, और जीवन से पूरी तरह वंचित थीं। यह पूर्ण निराशा का एक दृश्य था।

फिर भी, जो मनुष्य को असंभव प्रतीत होता है, वह परमेश्वर की सामर्थ्य से कभी बाहर नहीं होता। वही परमेश्वर जो यहेजकेल को उस घाटी में ले गया था, उसने उसे बदलने की अपनी सामर्थ्य भी प्रदर्शित की। अपने वचन और अपनी आत्मा के द्वारा, वे सूखी हड्डियाँ आपस में जुडने लगीं, उन पर मांस चढ.आया, और उनमें साँस आ गई। जो कभी मृत था, वह फिर से जीवित होकर खडा हो गया।

EvangelinePaulDhinakaran | evangeline@jesuscalls.org

यह दर्शन एक गहन सत्य को प्रकट करता है कि केवल परमेश्वर ही मृत चीजों में जीवन फूँक सकता है। बहाली केवल बाहरी बदलाव के बारे में नहीं है; यह शारीरिक और आध्यात्मिकदोनों प्रकार की होती है। जब परमेश्वर बहाल करता है, तो वह आत्मा को पुनजीवित करता है, मन को नया करता है, और टूटी हुई चीजों को फिर से बनाता है।

हो सकता है कि आज आप खुद को इस्राएलियों की स्थिति से जोडकर देख रहे हों। आपको ऐसा महसूस हो सकता है कि आपका जीवन एक ठहराव पर पहुँच गया है। हो सकता है कि आपके सपने दफन हो गए हो, रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हों, स्वास्थ्य कमजोर पड. गया हो, या विश्वास डगमगा गया हो। आप शायद यह भी पूछ रहे हों, 'मुझे फिर से रोशनी कब दिखाई देगी?'

इस अंश का संदेश ठीक ऐसे ही क्षणों में सीधे तौर पर आपसे बात करता है। परमेश्वर की प्रतिज्ञा केवल इस्राएल तक ही सीमित नहीं था। वही परमेश्वर जिसने उन्हें बहाल किया, वह आपको भी बहाल करने में समर्थ है। जब उसकी आत्मा कार्य करती है, तो सब कुछ बदल जाता है। जहाँ उसकी आत्मा है, वहाँ छुटकारा और जीवन है।

यीशु स्वयं इस संसार में वह जीवन लाने के लिए आए थे, ऐसा जीवन जो पूरी तरह से भरपूर हो। उनका उद्देश्य केवल बचाना ही नहीं था, बल्कि खोई हुई चीजों को वापस लाना और जो मर चुका था, उसे फिर से जीवित करना भी था।

यह गवाही इस सच्चाई को बहुत खूबसूरती से दर्शाती है। बैंगलोर की रहने वाली अमुदा सात सालों से खून बहने की बीमारी (bleeding disorder) से पीडित थी; उसने कई इलाज करवाए, लेकिन उसे कोई राहत नहीं मिली। डॉक्टरों ने उसका गर्भाशय निकालने की सलाह दी, और इस दर्द के बीच, उसके पति ने भी उसे छोड.दिया,जिससे वह कमजोर, बोझिल और निराश हो गई। अपनी हताशा में, वह 'यीशु बुलाता है' की एक प्रार्थना सभा में शामिल हुई। वहाँ उसके लिए प्रार्थना की गई, और यहीं से उसके ठीक होने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसने उपवास रखा और पूरी लगन से प्रार्थना की। जब वह अस्पताल में इलाज करवा रही थी, तब उसने एक तेज.रोशनी देखी।वह रोशनी इतनी तीव्र थी कि उसकी चमक से आँखें चौंधिया गई। उसने परमेश्वर के स्पर्श को महसूस किया। उसने एक आवाज.सुनी, जो कह रही थी: 'जब तुम बीमार हो, तो क्या मै तुम्हें ठीक नहीं करूँगा?' उसी क्षण, उसकी बीमारी और उसके शरीर की सारी रुकावटें दूर हो गई। परमेश्वर ने एक चमत्कार कर दिखाया। बिना किसी सर्जरी के, वह पूरी तरह से ठीक हो गई। उसके बाद, उसका पति भी उसके पास लौट आया। आज, वह एक खुशहाल पारिवारिक जीवन जी रही है।

उसकी कहानी हमें यह याद दिलाती है कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा केवल किताबी बातें नहीं हैं, बल्कि वे वास्तविक और जीवंत हैं। जो उसने तब किया था, वही वह आज भी कर रहा है।

परमेश्वर आपकी परिस्थितियों की गंभीरता से सीमित नहीं है। चाहे वह कोई शारीरिक समस्या हो, टूटा हुआ परिवार हो, परेशान मन हो, या थकी हुई आत्मा हो, वह हर चीज.को फिर से ठीक करने में सक्षम है। जो चीजें.अटल या स्थिर लगती हैं, वे भी फिर से हिलने-डुलने लग सकती हैं। जो चीजें.मृत प्रतीत होती हैं, उनमें भी फिर से जान आ सकती है।

इसलिए, हिम्मत मत हारिए। जब आपके आस-पास की हर चीज.यह संकेत दे रही हो कि अब सब कुछ खत्म हो चुका है, तब भी परमेश्वर की कृपा से एक नई शुरुआत हो रही होती है। उसकी ओर से मिलने वाला छुटकारा अक्सर ठीक उसी जगह से शुरू होता है, जहाँ हमारी उम्मीदें खत्म हो जाती हैं।

उसकी आत्मा को अपने जीवन में आमंत्रित कीजिए। उसे अपने जीवन के उन सूखे और बेजान हिस्सों में भी अपनी साँसें भरने का अवसर दीजिए। इस बात पर भरोसा रखिए कि वह आपके लिए काम कर रहा है, भले ही आप उसे अपनी आँखों से देख न पा रहे हों। सूखी हड्डियों की वह घाटी आपकी कहानी का अंत नहीं है; बल्कि वह एक चमत्कार के घटित होने का मंच है।

जैसे-जैसे आप उसकी पर मजबूती से टिके रहेंगे, आप अपने जीवन के हर क्षेत्र में उसकी चंगाई और सुधार करने वाली शक्ति का अनुभव करेंगे। परमेश्वर करे कि आपकी शक्ति फिर से ताजा हो जाए, आपका विश्वास पुनजीवित हो, और आपका आनंद फिर से लौट आए। क्योंकि जिस प्रभु ने कभी सूखी हड्डियों में जान डाल दी थी, वही प्रभु आज आपके लिए यह घोषणा करता है: तुम जीवित रहोगे।

और न केवल आप जीवित रहेंगे, बल्कि वह आप को फिर से बहाल करेगा, यहाँ तक कि दुगुनी मात्रा में, ताकि आप उसके भरपूर जीवन का आनंद ले सके।

जब परमेश्वर की आत्मा कार्य करती है, तो वह सबसे अधिक टूटी हुई परिस्थितियों को भी बहाल कर सकता है; आप फिर से जीवित हो उठेंगे।

जब परमेश्वर की आत्मा कार्य करती है, तो वह सबसे अधिक टूटी हुई परिस्थितियों को भी बहाल कर सकता है; आप फिर से जीवित हो उठेंगे

परमेश्वर की वफ़ादारी का जश्न मनाएँ, अपनी गवाही साझा करें!

क्या प्रभु ने 'यीशु बुलाता है' की प्रार्थनाओं के ज़रिए आपकी पढ़ाई में आपको बेहतरीन सफलता पाने में मदद की है? यदि आपने राज्य स्तर पर रैंक हासिल की है, आप स्कूल के टॉपर हैं, गोल्ड मेडलिस्ट हैं, या आपने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, तो हम आपको अपनी गवाही साझा करने और परमेश्वर का सम्मान करने के लिए आमंत्रित करते हैं। आपकी गवाही कई विद्यार्थियों को अपनी सफलता के लिए परमेश्वर पर भरोसा करने हेतु प्रोत्साहित कर सकती है।

✽ **पता:** Prayer Tower, 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Road, Chennai 600 028

ईमेल: testimony@jesuscalls.org | **संपर्क:** +91 97919 34442

सेवा कार्य में मेरे प्यारे सहभागी,

हमारे प्रभु यीशु मसीह के बेजोड़ नाम में आपको नमस्कार! जैसे ही हम मई के इस नए महीने में कदम रख रहे हैं, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि आपके जीवन का कोई भी मौसम बेकार नहीं जाता, और कोई भी टूटा हुआ हिस्सा ऐसा नहीं है जिसे वह फिर से ठीक न कर सकें। अभी भी, वह आपका हाथ थामे हुए हैं और प्यार से आपको किसी और भी बड़ी चीज़ की ओर ले जा रहे हैं। भजन संहिता 102:16 घोषणा करता है, ''प्रभु सिय्योन को फिर से बनाएगा और अपनी महिमा में प्रकट होगा।'' आज आपके लिए परमेश्वर का यही आश्वासन है। वह सक्रिय रूप से आपके जीवन को फिर से बना रहे हैं, और उनकी महिमा ऐसे तरीकों से प्रकट होगी जो आपने पहले कभी नहीं देखे होंगे।

अपने दिल से, मैं आपको इस सेवा कार्य के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद देता हूँ। आप जो कर रहे हैं वह आपको शायद साधारण लगे, लेकिन परमेश्वर के हाथों में, यह अनगिनत लोगों के लिए जीवन, आशा और बहाली ला रहा है।

- ईस्टर रविवार को CSI वेस्ली चर्च, सिकंदराबाद में तीनों सभाओं में, अपने परिवार के साथ, पुनर्जीवित प्रभु का उत्सव मनाना भी एक बहुत बड़ी खुशी की बात थी। जब हमने पुनरुत्थान का संदेश साझा किया कि यीशु मसीह में मृत्यु हार गई है, डर दूर हो गया है, और विश्वासियों के पास जीत, शांति और अनंत आशा है तो कई लोगों ने उनकी जीवित उपस्थिति का शक्तिशाली तरीके से अनुभव किया।
- केवल पिछले महीने ही, 1.5 लाख लोग 'प्रार्थना भवनों' (Prayer Towers) में आए, व्यक्तिगत प्रार्थना और परामर्श प्राप्त किया, और अपने जीवन में परमेश्वर के उत्तरों का अनुभव किया। उसी समय, 3.9 लाख लोगों ने 'टेलीफोन प्रार्थना भवनों' के माध्यम से संपर्क किया और एक साधारण फोन कॉल के द्वारा सांत्वना, शक्ति और नए विश्वास को पाया।

मैं अपने हृदय की गहराइयों से बोलता हूँ...

स्तुति के बिंदु - आपके द्वारा लोगों के जीवन फिर से संवर रहे हैं

क्योंकि आपने हमारे साथ खड़े होने का चुनाव किया, हम देख रहे हैं कि परमेश्वर बड़े पैमाने पर लोगों के जीवन को फिर से बना रहे हैं।

- परमेश्वर की असीम कृपा से, सांगली की सभाएँ एक अद्भुत गवाही बन गई। जो एक रुकावट के रूप में शुरू हुआ था, वह एक जीत में बदल गया जब एक उच्च न्यायालय के फैसले ने 'महाराष्ट्र प्रार्थना महोत्सव' को जारी रखने की अनुमति दी। लगभग 50,000 लोग व्यक्तिगत रूप से इकट्ठा हुए, और लाखों लोग ऑनलाइन जुड़े। परमेश्वर की उपस्थिति ने ज़ोरदार तरीके से काम किया; इसने सालों पुरानी लतों को तोड़ा, परिवारों को फिर से जोड़ा, और कई लोगों को यीशु के प्रेम का अनुभव करने के लिए आकर्षित किया। पास्टरों को एक नया अभिषेक मिला, और लगभग 1,500 सहभागियों के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रार्थना की गई और उन्हें प्रभु में मज़बूत किया गया।
- इसके अलावा, पिछले महीने के दौरान, सभी प्रार्थना भवनों में लगभग 210 आउटरीच मीटिंग, 'राइज एंड बिल्ड' स्पेशल ब्लेसिंग मीटिंग, और मिशन नेटवर्क आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 20,600 लोगों ने भाग लिया और उन्हें भरपूर आशीष मिली। ह्व आपके सहयोग से हमें पत्रों और ईमेल के माध्यम से मदद के लिए आई 60,000 पुकारों का जवाब देने में भी मदद मिली; हर एक का जवाब प्रार्थना के साथ दिया गया।
- इसके अतिरिक्त, 2.2 मिलियन लोगों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से परमेश्वर के प्रेम का अनुभव किया।
- प्रभु ने हमारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी शक्तिशाली रूप से उपयोग किया, जहाँ संदेशों, लाइव प्रार्थनाओं और गवाहियों के माध्यम से एक विशाल दर्शक वर्ग ने परमेश्वर के प्रेम का अनुभव किया, और यह 2.8 करोड़ लोगों तक पहुँचा।

मैं आपके साथ मिलकर परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, उन हर एक जीवन के लिए जिन्होंने यीशु के प्रेम और दया का अनुभव किया है।

कारुण्या - एक बीज जो आशीष बन गया

यह महीना मेरे हृदय को एक बहुत ही विशेष तरीके से छूता है, क्योंकि 21 मई को हम अपनी प्रिय बहन एंजेल को याद करते हैं। उनका जीवन ज़मीन में बोए गए एक बीज के समान था, और आज, वह बीज बढ़कर 'कारुण्या इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज' बन गया है। जब भी मैं कैंपस में छात्रों को देखता हूँ, तो मुझे याद आता है कि परमेश्वर हमारे सबसे गहरे दुख को भी ऐसी चीज़ में बदल सकते हैं जो हज़ारों लोगों के जीवन में जीवन, आशा और उद्देश्य लाती है।

कारुण्या अपनी मज़बूत शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से जीवन को संवारना जारी रखे हुए है। 728 एकड़ के विशाल कैंपस में फैला यह संस्थान, NAAC A++ मान्यता, UGC श्रेणी 1 का दर्जा और वैश्विक रैंकिंग में पहचान रखता है। यह विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग, कृषि, प्रबंधन, ऑनलाइन MBA, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फोरेंसिक साइंस, बायोटेक्नोलॉजी, डिजिटल फोरेंसिक्स, वाणिज्य और मीडिया सहित विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों को Google, Zoho, SUEZ, Amaron, Festo और Edveon जैसे अग्रणी संगठनों के साथ साझेदारी द्वारा और अधिक मज़बूत बनाया गया है। छात्र दूसरे वर्ष से ही वास्तविक परियोजनाओं पर काम करना शुरू कर देते हैं और उन्हें सीखने के साथ-साथ कमाने के अवसर भी मिलते हैं। 85 से अधिक देशों में अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप के साथ, उन्हें वैश्विक अनुभव और करियर के मज़बूत अवसर प्राप्त होते हैं। रु 10 करोड़ की छात्रवृत्तियाँ, जिनमें पात्र छात्रों के लिए पूरी ट्यूशन फीस की छूट भी शामिल है, योग्य छात्रों को सहायता प्रदान करती हैं। 8,000 से अधिक छात्रों के लिए सुरक्षित छात्रावास, अच्छा भोजन और आवश्यक सुविधाओं के साथ, यह कैंपस एक पोषणकारी और समृद्ध वातावरण प्रदान करता है। प्रवेश के लिए, 1800 8899 888 पर कॉल करें या www.karunya.edu पर जाएँ।

छात्रों, आपको स्वयंसेवक बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

यदि आप एक छात्र हैं, तो आपको इस छुट्टियों के मौसम में प्रार्थना भवन या सीशा के माध्यम से स्वयंसेवक बनने के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है। आप अपनी प्रतिभा और हुनर का उपयोग करके प्रभु की सेवा में लोगों की मदद कर सकते हैं, मिनिस्ट्री के कार्यों में सहयोग दे सकते हैं, या ज़रूरतमंदों तक करुणा के साथ पहुँच सकते हैं। जैसे ही आप आगे कदम बढ़ाएँगे, प्रभु आपके प्रेमपूर्ण परिश्रम का सम्मान करेंगे, क्योंकि 'परमेश्वर अन्यायी नहीं है कि वह आपके काम को भूल जाए' (इब्रानियों 6:10), और उसकी कृपा आपको बुद्धि, अनुग्रह और आपकी पढ़ाई तथा भविष्य में उत्कृष्टता की ओर बढ़ने में मदद करेगी। विवरण के लिए, कृपया संपर्क करें: प्रार्थना भवन में सेवा करने के लिए: +91 63807 52275 ईमेल: volunteer@jesuscalls.org सीशा में सेवा करने के लिए: +91 9300600600 ईमेल: info@seesha.org

डायनामिक किड्स कैंप - अगली पीढ़ी को आकार देना

इस गर्मी में, हम विश्वास के साथ बच्चों के जीवन में निवेश करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं, क्योंकि हर बच्चा परमेश्वर के लिए मायने रखता है और उसे यह जानने का हक है कि परमेश्वर उससे प्रेम करते हैं और उसे चुना है। आपके सहयोग से, हम एक ऐसा स्थान बना पा रहे हैं जहाँ बच्चे परमेश्वर का अनुभव व्यक्तिगत रूप से कर सकते हैं। पिछले साल, 105 प्रार्थना भवनों से 15,000 से ज़्यादा बच्चों ने परमेश्वर के प्रेम का अनुभव किया, और इस साल हम प्रार्थनापूर्वक उम्मीद कर रहे हैं कि 20,000 बच्चे इसमें हिस्सा लेंगे। इस साल का विषय है 'सिग्नेट रिंग' (हाग्गै 2:23)। यह छह-दिवसीय कैंप एक्शन गीतों, बाइबल के पाठों, कहानियों, गतिविधियों और प्रार्थना के समय से भरा है, जो बच्चों को धीरे-धीरे प्रभु के और करीब ले जाते हैं। अगर आपके बच्चे 4 से 12 साल के बीच के हैं, तो उन्हें ज़रूर भेजें। प्रवेश पूरी तरह से मुफ़्त है।

केटी की मिनिस्ट्री

छोटे बच्चों की बात करें तो, मुझे एक बहुत ही खास बात साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। मेरी छोटी पोती, केटी ने, खास तौर पर बच्चों के लिए एक YouTube चैनल शुरू किया है, ताकि वे सरल और दिलचस्प तरीके से प्रभु के ज्ञान में बढ़ सकें। इस लेंट (उपवास) के मौसम के दौरान, उसने विश्वासपूर्वक 40 छोटे वीडियो साझा किए, जिनमें से हर एक में बाइबल का एक वचन और एक छोटा सा विचार था, और वे लगभग 1.5 लाख दर्शकों तक पहुँचे।

मैं आपको उसके चैनल, @KatelynDhinakaran को सब्सक्राइब करने और इसे अपने बच्चों के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। यह उनके लिए परमेश्वर के वचन को सीखने और उनके और करीब आने का एक सुंदर तरीका है।

प्रार्थना की ज़रूरतें - सोशल मीडिया मिशन जो जारी रहना चाहिए

डिजिटल मिशन हमारे सामने एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ज़रूरी आवश्यकता है। हर महीने, विभिन्न डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर दैनिक वचन वीडियो, छोटे संदेशों, आराधना गीतों, गवाहियों और छोटी फ़िल्मों के माध्यम से 750 से ज़्यादा कार्यक्रम पहुँचाने के लिए लगभग रु 1 करोड़ की आवश्यकता होती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि परमेश्वर का वचन बिना किसी रुकावट के लोगों तक पहुँचता रहे। जैसा कि बाइबल हमें याद दिलाती है, 'मेरा वचन... मेरे पास व्यर्थ नहीं लौटेगा' (यशायाह 55:11)।

यह हर उस कार्यक्रम का प्रभाव है जो प्रसारित होता है, और यह आपकी प्रार्थनाओं और सहयोग के कारण ही जारी रहता है। मैं आपसे विनम्र निवेदन करता हूँ कि आप अपनी प्रार्थनाओं में इस सेवा कार्य को याद रखें, ताकि परमेश्वर का वचन बिना किसी रुकावट के हर दिल तक पहुँच सके। जब आप प्रार्थना करें, तो मैं आपको यह भी आमंत्रित करता हूँ कि आप प्रार्थनापूर्वक इस सोशल मीडिया मिशन को आर्थिक रूप से प्रायोजित करने पर विचार करें।

आप हमारे साथ कैसे जुड़ सकते हैं, इसकी जानकारी पृष्ठ 8 पर दी गई है। परमेश्वर आपके उदार हृदय को आशीष दे।

एक व्यक्तिगत प्रार्थना निवेदन

मैं आपसे यह भी निवेदन करता हूँ कि जब हम प्रभु की सेवा में लगे हुए हैं, तो आप अपनी प्रार्थनाओं में हमारे परिवार के लिए मध्यस्थता करें। कृपया विशेष रूप से उन लोगों को याद रखें जिनका जन्मदिन इस महीने है: मेरी माता, बहन स्टेल्ला दिनाकरन; मेरे दामाद, डैनियल डेविडसन; और मेरे पोते, जेडन क्रिस, जो अपना पहला जन्मदिन मना रहा है। आपकी प्रार्थनाएँ हमारे लिए बहुत बड़ी शक्ति और आशीष हैं।

आने वाले कार्यक्रम

आने वाले दिनों में हम सेवा कार्य के एक महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहे हैं, और मैं आपको पूरी ईमानदारी से आमंत्रित करता हूँ कि आप अपनी प्रार्थनाओं में इन सभाओं को याद रखें:

✼ 16 मई, 2026 – आर्कोट लूथरन चर्च सम्मेलन, डेनिश मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान, तिरुवन्नामलाई में।

प्रार्थना भवन में विशेष सभाएँ:

✼ 2 और 3 मई – 'राइज एंड बिल्ड' (Rise & Build) **आशीष सभा, सभी प्रार्थना भवनों में**

✼ 5 मई, 2026 – आउटरीच सभा, दुमका प्रार्थना भवन द्वारा करबिंधा में आयोजित

✼ 16 मई, 2026 – आउटरीच सभा, जबलपुर प्रार्थना भवन द्वारा छिंदवाड़ा में आयोजित

✼ 19 मई, 2026 – आउटरीच सभा, देहरादून प्रार्थना भवन द्वारा पौड़ी में आयोजित

✼ 21 मई, 2026 – आउटरीच सभा, डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन मेमोरियल प्रार्थना भवन द्वारा पोरूर में आयोजित

यदि आप इन स्थानों या इनके आस-पास रहते हैं, तो कृपया अपने निकटतम प्रार्थना भवन से संपर्क करें और इन सभाओं में भाग लें।

आने वाले महीनों में, विभिन्न शहरों में 'प्रार्थना महोत्सव' और 'भविष्यवाणी सम्मेलन' आयोजित करने की योजना भी बनाई जा रही है। कृपया हर व्यवस्था के लिए, नए अवसर खुलने के लिए, और इन सभाओं के माध्यम से जिन लोगों तक संदेश पहुँचेगा, उन सभी के जीवन के लिए लगातार मध्यस्थता करते रहें। जब आप प्रार्थना में हमारे साथ खड़े होते हैं, तो आप इस सेवा कार्य को आर्थिक सहायता देने पर भी विचार कर सकते हैं, ताकि इन सभाओं को और भी अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके। अधिक जानकारी के लिए, कृपया पृष्ठ 14 देखें।

मेरे मित्र, आज आप जिस दौर से गुज़र रहे हैं, वह आपकी कहानी का अंत नहीं है। प्रभु पहले से ही काम कर रहे हैं, हर टूटे हुए टुकड़े से कुछ सुंदर गढ़ रहे हैं, उसे संवार रहे हैं और तैयार कर रहे हैं। उसका हाथ आप पर है, और आपके जीवन के लिए उसका उद्देश्य अटल है।

जिस तरह आप विश्वास में दृढ़ रहे हैं और दूसरों को आशीष देने के लिए अपना हाथ बढ़ाया है, प्रभु निश्चित रूप से आपको याद रखेंगे और अपने सही समय पर आपको ऊँचा उठाएँगे। वह आपके हाथों के कामों को सफल करेंगे, आपके जीवन को अपनी शांति से भर देंगे, और आपके द्वारा अपनी महिमा प्रकट करेंगे।

आइए, हम विश्वास में इस यात्रा को एक साथ जारी रखें, विश्वास करते हुए, प्रार्थना करते हुए और दृढ़ता से खड़े रहते हुए, जब तक कि हम हर जीवन में उसकी महिमा को प्रकट होते हुए न देख लें।

आपका भाई, जो आपके लिए प्रार्थना करता है,

डॉ पॉल दिनाकरन

लाखों लोगों के आँसू पोंछने के लिए यीशु बुलाता है
सेवकाई का समर्थन करने के तरीके

SCAN & PAY

SCAN & PAY INSTANTLY VIA UPI

UPI jesuscalls@indus

BANK TRANSFER:

Bank	Beneficiary	A/c No.	IFSC
IndusInd	JESUS CALLS	555444333222111	INDB0000167
ICICI	JESUS CALLS	000901056144	ICIC0000009

Please share your donation detail to us through Whatsapp to 98409 99923

Website: **www.jesuscalls.org/donate**

Jesus Calls Mobile app (available in Android & iOS)

EMO/CHEQUE /DD

- **Write in favour of "JESUS CALLS"**
- **Can be sent by speed post to: Prayer Tower, 16, D.G.S. Dhinakaran Road, Chennai 600028.**
- **In person: At the prayer tower in your area**

For donation related/partner plans/receipts related queries, please call or Whatsapp 98409 99923. For 24x7 Prayer support, please call 8546999000

अपने घर में परमेश्वर की शांति वापस लाएँ

परिवार आशीष योजना

बंधन टूटे, परिवार बहाल हुआ

मैं पुणे से रेखा पिल्लई हूँ। मेरे पति को शराब की लत थी, और हमारा घर दर्द और बेबसी से भरा हुआ था। अपनी टूटी हुई हालत में, मैंने परमेश्वर को पुकारा और 'परिवार आशीष योजना' में अपना नाम लिखवाया। परमेश्वर ने मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया। मेरे पति लत से आजाद हो गए और उन्हें उद्धार मिला। आज, उनकी कृपा से हमारा परिवार फिर से बहाल हो गया है।

रेखा की ही तरह, जब प्रार्थना आपके परिवार को घेरे रहती है, तो आशीषें भी पीछे-पीछे आती हैं।

क्या आपका घर तनाव, गलतफहमियों, या ऐसी खामोश लडाइयों का सामना कर रहा है जिन्हें कोई और नहीं देख पाता? परमेश्वर सब कुछ देखते हैं, और वे आपके परिवार को फिर से बहाल करने के लिए तैयार हैं।

'परिवार आशीष योजना' आपके घर को इन चीजों के घेरे में रखती है:

दैनिक प्रार्थना का घेरा – समर्पित प्रार्थना करने वालों द्वारा हर दिन आपके परिवार के लिए परमेश्वर के सामने प्रार्थना की जाती है।

वर्षगांठ पर आशीष की कॉल – आपकी शादी की वर्षगांठ पर आपके लिए एक विशेष प्रार्थना की जाती है।

प्रतिज्ञा का प्रमाण पत्र – जब आपका योगदान रु 5,000 तक पहुँच जाता है, तो आपको एक 'परिवार आशीष प्रमाण पत्र' दिया जाता है, जिस पर परमेश्वर की प्रतिज्ञा का एक वचन लिखा होता है।

जब आपका परिवार प्रार्थना के घेरे में होता है:

- **अशांति की जगह शांति ले लेती है**
- **फूट की जगह एकता आ जाती है**
- **परमेश्वर की आशीषें आपकी हर जरूरत को पूरा करती है**

''जितने हथियार तेरी हानि केलिए बनाए गए हैं उनमें कोई सफल न होगा।'' जैसा कि यशायाह 32:18 में प्रतिज्ञा की गयी है, आपका परिवार शांति, सुरक्षा और विश्राम में रहेगा।

यह सिर्फ एक योजना से कहीं बढ़कर है; यह आपके घर के लिए सुरक्षा, शांति और भरण-पोषण की एक वाचा है।

आज ही अपना नाम लिखवाएँ और परमेश्वर की शांति की ओर अपनी यात्रा शुरूकरें:

✻ रु 300, | ✻ रु 500, | ✻ रु 1,000, | ✻ रु 5,000

QR कोड स्कैन करें

वेबसाइट: www.jesuscalls.org/donate/fbp

इस गर्मी में बैतहसदा में आकर परमेश्वर के शक्तिशाली चमत्कारों का अनुभव करें

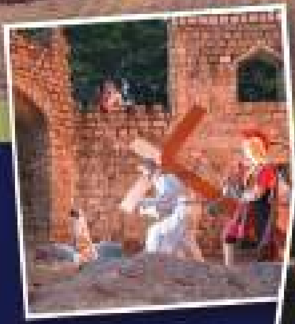

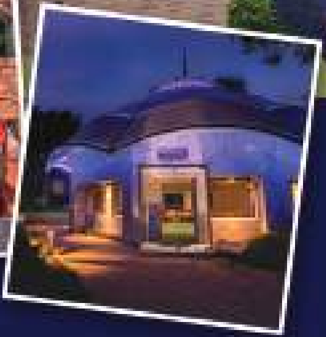

पश्चिमी घाट की तलहटी में बसा, बैतहसदा प्रार्थना सेंटर ने अब तक भर से 1 करोड 23 लाख से अधिक आगंतुकों का स्वागत किया है। इनमें से कई लोग भारी बोझ, भविष्य को लेकर अनिश्चितता, खराब रिश्तों, बीमारी और अनसुनी प्रार्थनाओं के साथ यहाँ आते हैं; और यहाँ से नई स्पष्टता, शांति, जीवन बदलने वाले चमत्कारों और इस सुकून भरे भरोसे के साथ लौटते हैं कि परमेश्वर ने उनकी पुकार सुन ली है।

बैतहसदा प्रार्थना भवन की विशेष विशेषताएं:

✻ साल के 365 दिन खुला रहता है (सुबह 6:00 बजे - रात 8:30 बजे तक)
✻ दैनिक प्रार्थना सेवाएं - भोर की प्रार्थना, शाम की स्तुति और आराधना, और संध्याकालीन प्रार्थनाएं
✻ साप्ताहिक विशेष आशीष सभाएं, चंगाई और और मुक्ति सेवाएं, और णढीप सभाएं
✻ बहुभाषी प्रार्थना सेवाएं - हिंदी, तेलुगु और मलयालम
✻ बच्चों के लिए विशेष सेवाएं (हर रविवार) - छोटे बच्चों को विश्वास में पोषित करना

इन सभाओं के माध्यम से, कई लोगों ने लंबे समय से चली आ रही बीमारियों से चंगाई, नशे और उत्पीड़न से मुक्ति, परिवारों में मेल-मिलाप, और जीवन के बड़े निर्णयों में मार्गदर्शन मिलने की गवाही दी है।

प्रार्थना से बदला हुआ एक जीवन

'मैं नामक्कल जिले से सैम हूँ। अपने भविष्य को लेकर असमंजस में था, मुझे लगा कि मुझे TNPSC Group 4 परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए, लेकिन जल्द ही डर मुझ पर हावी हो गया। मैं बैतहसदा प्रार्थना भवन आया, जहाँ एक प्रार्थना सहायक ने मेरे लिए प्रार्थना की। मैंने परमेश्वर में नए विश्वास के साथ तैयारी की, और रोज़ाना प्रार्थना भवन में फोन करता रहा। परमेश्वर की कृपा से, मैंने अपने पहले ही प्रयास में परीक्षा पास कर ली और अपनी मनचाही जगह पर सरकारी नौकरी पा ली। मैं बैतहसदा प्रार्थना भवन से मिले प्रार्थना सहयोग के लिए आभारी हूँ।'

हर साल ऐसी हज़ारों गवाहियाँ दर्ज की जाती हैं; यही बैतहसदा की धड़कन है।

आइए और स्वयं इसका अनुभव कीजिए!

हरियाली से घिरे एक शांत, प्रार्थना-केंद्रित वातावरण में कदम रखें, जहाँ की हर जगह इस तरह से डिजाइन की गई कि आप रुक सकें, चिंतन कर सकें और बिना किसी भटकाव के परमेश्वर की खोज कर सकें।

देखने लायक मुख्य आकर्षण

- ❊ पाँच गुंबदों वाला बैतहसदा पूल
- ❊ यीशु के क्रूस पर चढाए जाने के दृश्य
- ❊ विज़न सेंटर प्रार्थना चैपल,
- ❊ जिसमें मेहराबदार खिड़कियों पर यीशु की सुंदर पेंटिंग्स और एक भव्य सफेद क्रूस है
- ❊ प्रार्थना परामर्श कक्ष
- ❊ बच्चों के लिए पार्क क्षेत्र
- ❊ रहने की सुविधाएँ उपलब्ध हैं

विशेष आकर्षण: पूरे मई महीने के दौरान (01.05.2026 - 31.05.2026), बैतहसदा में 'बैतहसदा सांस्कृतिक उत्सव' (Bethesda Cultural Fest) का आयोजन किया जाता है, जहाँ नृत्य, संगीत, नाटक, कला और अन्य माध्यमों से विविध प्रतिभाओं का सम्मान किया जाता है, यह कार्यक्रम प्रतिदिन रात 8 बजे से 9 बजे तक चलता है।

सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क

❊ होटल - आपकी सुविधा के लिए उपलब्ध हैं

NEAREST PLACES:
KOVAI KUTRALAM (6 KM)
KOVAI KONDATTAM (15 KM)

डॉरमेट्री: 94878 46545
गेस्ट हाउस: 0422-2614790 / 94878 96566
ईमेल: bobethesda@jesuscalls.org
वेबसाइट: www.jesuscalls.org/bethesda

बैतहसदा को अब विस्तार की आवश्यकता क्यों है:

यहाँ आने वाले आगंतुकों की संख्या हर साल लगातार बढ़ रही है। कई लोग लंबी दूरी तय करके आते हैं और व्यक्तिगत प्रार्थना के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करते हैं। सीमित आवास सुविधाओं के कारण कुछ लोग यहाँ अधिक समय तक नहीं रुक पाते, जबकि अन्य लोगों को परमेश्वर के साथ एकांत में समय बिताने के लिए कोई शांत जगह ढूँढ़ने में कठिनाई होती है।

इसी आवश्यकता को देखते हुएजैसा कि प्रभु ने दर्शन में दिखाया था बैतहसदा केंद्र को एक 'प्रार्थना नगरी' (City of Prayer) के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है; एक ऐसा स्थान जहाँ आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी विलंब के प्रार्थना का अवसर मिले और वे परमेश्वर की उपस्थिति मेंसार्थक समय बिता सकें।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए:

- ❊ चैपल का विस्तार किया जाएगा ताकि इसमें 3,000 लोग एक साथ बैठ सकें, जिससे अधिक से अधिक लोगों को व्यक्तिगत प्रार्थना के लिए समय मिल सकेगा।
- ❊ 'प्रार्थना भवन इमारत' (Prayer Tower Building) में एक नई ऊँची इमारत का निर्माण किया जाएगा, जिसमें एक 'टेलीफोन प्रार्थना केंद्र' भी होगा; यह सुनिश्चित करेगा कि व्यक्तिगत रूप से या फोन के माध्यम से आने वाले प्रत्येक प्रार्थना-निवेदन पर तत्काल ध्यान दिया जाए और उन्हें प्रार्थना व उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।
- ❊ 2,000 लोगों के लिए एक डॉरमेट्री (सामूहिक आवास) की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे परिवार और व्यक्ति यहाँ अधिक समय तक रुक सकेंगे और बिना किसी बाधा के ईश्वर की आराधना कर सकेंगे।

इनमें से प्रत्येक विकास कार्य बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रार्थना की आस लेकर आने वाले किसी भी व्यक्ति को निराश होकर वापस न लौटना पड़े। उस काम का हिस्सा बनें जिसे परमेश्वर बना रहा है

आप बैतहसदा प्रार्थना सेंटर के विकास में इन तरीकों से सहयोग कर सकते हैं:

❊ रु 10,000 ❊ रु 1,00,000 ❊ रु 2,00,000 ❊ या जैसा पवित्र आत्मा आपके हृदय में आपको प्रेरित करे

बैतहसदा प्रार्थना सेंटर, कोयंबटूर में स्वयंसेवक बनने का अवसर

कारुण्या नगर स्थित बैतहसदा प्रार्थना सेंटर ऐसे स्वयंसेवक प्रार्थना-याचकों (Volunteer Prayer Intercessors) को आमंत्रित करता है, जो सेंटर में आने वाले लोगों के लिए प्रार्थना कर सकें।

भाषा की आवश्यकता: तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी | रहने की व्यवस्था प्रदान की जाएगी

अधिक जानकारी के लिए: +91 6380 752 344 | ईमेल: bobethesda@jesuscalls.org

युवा वर्ग

एक सच्चे अगुवे बनें

मेरे प्यारे दोस्त, जब आप इस महीने की प्रतिज्ञा पर विचार करें, तो परमेश्वर आपको आशीष दे। आपको यह याद दिलाना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि परमेश्वर के पास आपके जीवन के लिए सुंदर और उद्देश्यपूर्ण योजनाएँ हैं। इस महीने की प्रतिज्ञा का वचन भजन संहिता 72:2 से है: 'वह तेरी प्रजा का न्याय धर्म से, और तेरे दीन लोगों का न्याय ठीक ठीक चुकाएगा।' यह वचन नेतृत्व के प्रति परमेश्वर के हृदय को प्रकट करता है, एक ऐसा नेतृत्व जो धर्म और न्याय से भरा हो।

परमेश्वर अक्सर अपने लोगों को नेतृत्व की ज़िम्मेदारी सौंपता है, चाहे वह बडे.पैमाने पर हो या छोटे पैमाने पर। हो सकता है कि आप पहले से ही ऐसे किसी पद पर हों, या परमेश्वर आपको ऐसे किसी पद के लिए तैयार कर रहा हो। नेतृत्व केवल एक भूमिका नहीं है; यह परमेश्वर द्वारा दी गई एक ज़िम्मेदारी है, और वह चाहता है कि इसे ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ निभाया जाए।

सुलेमान का उदाहरण लें। जब वह राजा बना, तो उसने धन या शक्ति नहीं माँगी। इसके बजाय, उसने विनम्रता से प्रार्थना की, 'हे प्रभु, मुझे तेरे लोगों पर शासन करना है। मुझे एक बुद्धिमान और समझदार हृदय दे, ताकि मैं सही और गलत के बीच अंतर कर सकूँ।' इस प्रार्थना से परमेश्वर प्रसन्न हुआ, और उसने सुलेमान को असीम बुद्धि प्रदान की। इसी कारण, सुलेमान का शासन न्याय और ईश्वरीय कृपा से भरा रहा।

इसी तरह, हमें भी धर्म के साथ नेतृत्व करने के लिए बुलाया गया है। सच्चा नेतृत्व परमेश्वर के भय में निहित होता है। जब परमेश्वर हमें कम उम्र में भी कोई ज़िम्मेदारी सौंपता है, तो वह हमसे अपेक्षा करता है कि हम उसे पूरी ईमानदारी से निभाएँ। हमें बिना किसी पक्षपात के नेतृत्व करना चाहिए, सबके साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए, और ऐसे निर्णय लेने चाहिए जो परमेश्वर का सम्मान करते हों।

मुझे अपने स्कूल के दिनों का एक पल याद है, जब मुझे पहली बार क्लास मॉनिटर बनाया गया था। मेरे शिक्षक ने मुझे एक बैज दिया और कहा, 'अब तुम केवल एक छात्र नहीं हो; तुम एक लीडर हो। मुझे तुम पर भरोसा है कि तुम अपने दोस्तों के साथ, अपने विरोधियों के साथ, और क्लास में मौजूद हर किसी के साथ निष्पक्ष रहोगे। अनुशासन, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ नेतृत्व करो।' उन शब्दों ने नेतृत्व के प्रति मेरी समझ को आकार दिया। यह केवल अधिकार के बारे में नहीं है, बल्कि जवाबदेही और भरोसे के बारे में है।

भाई सैमूएल दिनाकरन
samuel@jesuscalls.org SAMUELDHINAKARAN

नेतृत्व का प्रभाव होता है। जिस तरह से हम नेतृत्व करते हैं, उसका असर दूसरों के जीवन पर पडता है। जब लीडर अन्यायपूर्ण ढंग से काम करते हैं, तो लोग या तो हतोत्साहित हो जाते हैं या उन पर अत्याचार होता है। लेकिन जब नेतृत्व धर्म में निहित होता है, तो वह विकास, शांति और व्यवस्था लाता है। इसीलिए न्याय कोई वैकल्पिक चीज.नहीं है; यह अत्यंत आवश्यक है।

हमने ऐसे नेतृत्व के दुखद उदाहरण भी देखे है, जो गलत राह पर चले गए। हाल के वर्षो में, तमिलनाडु के सथानकुलम में हुई एक घटना ने सत्ता के दुरुपयोग के दुखद परिणामों को उजागर किया। यह उजतखऊके समय की बात है, जब एक पिता और उनका बेटा एक दुकान चला रहे थे; उन्होंने दुकान बंद करने की तय समय सीमा का कुछ मिनटों तक उल्लंघन कर दिया। जब पुलिस ने देखा कि उनकी दुकान अभी भी खुली है, तो वे उन्हें पुलिस थाने ले गए और बेरहमी से पीटा। उन्होंने पिता और बेटे के कपडे.उतार दिए, उन्हें नंगा कर दिया, और इतना पीटा कि उनके शरीर पर गहरे चोट के निशान पड.गए। चार दिनों तक, उनके ऊपर हो रहे अत्याचार और उनकी चीख-पुकार की आवाजें.आस-पास मौजूद गवाहों को सुनाई देती रहीं। वे इस दर्द को सहन नहीं कर सके, और पुलिस जेल के कमरे में हर जगह खून के धब्बे फैल गए। यह एक अत्यंत भयानक दृश्य था। इस क्रूर हमले के परिणामस्वरूप, पिता और बेटे, दोनों की मृत्यु हो गई। हाल ही में, आरोपी पुलिसकर्मियों के संबंध में अदालत का फैसला आया। अदालत ने कहा कि यह सत्ता का घोर दुरुपयोग है, और उन सभी 9 पुलिसकर्मियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई, जिन्होंने उनकी हत्या की थी।

ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि जब सत्ता का दुरुपयोग होता है, तो वह कितना खतरनाक हो सकता है। सत्ता को कभी भी उत्पीडन या अहंकार का साधन नहीं बनना चाहिए। आरोप या परिस्थितियाँ चाहे जो भी हों, दूसरों के साथ दुर्व्यवहार करना कभी भी सही नहीं होता। यही कारण है कि परमेश्वर न्याय पर विशेष जोर देते हैं। एक नेता को परमेश्वर के चरित्र को प्रतिबिंबित करना चाहिए,उसे नेक, दयालु और निष्पक्ष होना चाहिए।

परमेश्वर के लोगों के रूप में, हमें उनके हाथों में एक नेता की भूमिका निभाने के लिए बुलाया गया है। इसका अर्थ है, व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों, पक्षपात और भेदभाव को त्याग देना। हमें कुछ लोगों का पक्ष लेते हुए दूसरों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए। इसके बजाय, हमें निरंतर परमेश्वर का मार्गदर्शन प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए, ठीक वैसे ही, जैसे सुलैमान ने किया था और सही कार्य करने के लिए आवश्यक बुद्धि की याचना करनी चाहिए।

आइए, हम यह स्मरण रखें: जिन लोगों का हम नेतृत्व करते हैं, वे परमेश्वर के हैं। हमें तो केवल उन चीजों का 'रखवाला' (steward) बनाया गया है, जो उन्होंने हमारे भरोसे सौंपी हैं। हमारी व्यक्तिगत परेशानियाँ, भावनाएँ या पसंद-नापसंद हमारे निर्णयों को कभी भी प्रभावित नहीं करनी चाहिए। जब हम पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ नेतृत्व करते हैं, तो परमेश्वर प्रसन्न होते हैं, और वे हमारे नेतृत्व को आशीष प्रदान करते हैं।

प्रार्थना:

हे प्रेममय प्रभु, आपका धन्यवाद कि आप मुझे जीवन में ऊपर उठाना चाहते है, ताकि मै अपने आस-पास के अन्य लोगों को भी ऊपर उठा सकूँ। मै अत्यंत विनम्र हृदय के साथ आपके समक्ष उपस्थित हूँ। जिस स्थान पर आपने मुझे नियुक्त किया है, वहाँ मै स्वयं को आपकी इच्छा के प्रति पूर्णतः समर्पित करता हूँ। मुझे वह कार्य करना सिखाइए, जो आपकी दृष्टि में सही और उचित हो। मुझे ऐसे निर्णय लेने के लिए बुद्धि प्रदान कीजिए, जो आपकी इच्छा के अनुरूप हों, और मुझे धर्मपरायणता के साथ नेतृत्व करने की शक्ति दीजिए। मेरा नेतृत्व मेरे आस-पास के लोगों के लिए आशीष का कारण बने,यही मेरी प्रार्थना है। जिन लोगों की देखभाल का दायित्व मुझ पर है, उन्हें शांति, विकास और आनंद की प्राप्ति हो। आपका पवित्र आत्मा मेरा मार्गदर्शन करे, ताकि मै न्याय और करुणा के साथ नेतृत्व कर सकूँ। मुझे पक्षपात और अहंकार से मुक्त करें, और मुझमें प्रभु का भय भर दें। मेरे जीवन को एक चमकता हुआ प्रकाश बना दें, और मेरे द्वारा आपके नाम की महिमा हो। यीशु के नाम में, आमीन।

परमेश्वर आपको एक न्यायप्रिय और विश्वासयोग्य अगुवे के रूप में स्थापित करें।

6 से 12 वर्ष की आयु के
बच्चों के लिए भारत भर के सभी प्रार्थना केंद्रों में
6 दिनों का शिविर पवित्र शास्त्र में गहराई से अध्ययन
करने के लिए मजेदार गतिविधियाँ:

संगीत | गायन | अभिनय | नृत्य | शिल्प | चित्रकला | खेल

6 से 12 वर्ष की आयु के

अपने दोस्तों को साथ लाएँ
इस छुट्टी को यादगार बनाएँ

प्रवेश निशुल्क!

2026

Dynamic Kids Camp

मई 2026

अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिए गए विवरण देखें:

स्थान: यीशु बुलाता है प्रार्थना केंद्र, आपके क्षेत्र के पास स्थित

अवधि: 6 दिन

Signet Ring
Haggai 2:23
2026

अधिक जानकारी के लिए,
कृपया संपर्क करें:
- अपने स्थानीय प्रार्थना केंद्र से
- हमारी वेबसाइट देखें: www.jesuscalls.org/dkc
- हमें ईमेल भेजें: dkc@jesuscalls.org

मैंने पिंपरी में 'यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन' में DKC में हिस्सा लिया। शिक्षकों ने मेरा बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया और हमें कई कहानियों के इस बारे में कई कहानियाँ थीं कि परमेश्वर के हाथों में सम्मान का पात्र कैसे बना जाए। मैंने हर दिन नए गीत और कई अच्छी बातें सीखीं। शिक्षक बहुत प्रेम करने वाले थे, और मुझे सचमुच हर पल का आनंद आया। धन्यवाद, यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री!
- वर्षाली बोंद्रे, पिंपरी

मिनिस्ट्री के साथ जुड़कर इस गर्मी में 20,000 बच्चों के जीवन में स्थायी प्रभाव डाल सकते हैं, इसके लिए आप अपना दान भेज सकते हैं।

नाम::...आप डायनामिक किड्स कैंप.................................

भागीदार-नं:...जन्मतिथि:.................................

पता:...मोबाइल:..ईमेल:..

☐ प्रति बच्चे के लिए 300/-रुपये ☐ 2 बच्चों के लिए 600/- रुपये

☐ मैं .... रुपये .... बच्चों के लिए भेजूंगा।

आप अपना दान भेजकर भी डीकेसी को 20,000 बच्चों तक पहुँचने में सहयोग कर सकते हैं।

Scan QR Code

KIDS SECTION

JIM & JEMI

कभी हार मत मानें

कहानी की सीख:

कभी हार मत मानें उम्मीद और लगन असफलता को जीत में बदल सकती है।

याद करने के लिए वचन :

'तुम्हारे थोड़ी देर तक दुख उठाने के बाद, वह खुद तुम्हें बहाल करेगा और तुम्हें बलवंत, स्थिर करेगा।' (1 पतरस 5:10)

मै अपने प्रभु के मन में हूँ

''परन्तु मै तो दीन और दरिद्र हूँ; प्रभु मेरी चिंता करता है। तू ही मेरा सहायक और मेरा छुडानेवाला है; हे मेरे परमेश्वर, विलम्ब न कर।'' यह भजन संहिता 40:17 में राजा दाऊद की पुकार है।

1 तीमुथियुस 2:4 परमेश्वर की इस इच्छा को व्यक्त करता है कि ''सभी लोग उद्धार पाएं और सत्य के ज्ञान तक पहुंचें।'' ऐसा तभी हो सकता है जब कोई व्यक्ति यीशु को परमेश्वर के रूप में स्वीकार करे, और उससे मिलने वाली क्षमा को प्राप्त करे। परमेश्वर यीशु के रूप में पृथ्वी पर आए ताकि हम उसकी आत्मा से भर सकें और परमेश्वर की उपस्थिति में एक पवित्र जीवन जी सकें।

मत्ती 18:14 में, यीशु कहते है, ''...तुम्हारे स्वर्गीय पिता की यह इच्छा नहीं है कि इन छोटों में से एक भी नष्ट हो। इसका अर्थ है कि हमें 'ज्योति की संतान और दिन की संतान' के रूप में जीने के लिए बुलाया गया है, क्योंकि 'हम न तो रात के है और न ही अंधकार के'

(1 थिस्सलोनिकियों 5:5)

प्रभु हमारा छुडानेवाला और उद्धारकर्ता है, जो हमारे पापों को क्षमा करता है। वह हमारा चरवाहा है, जो हमें जीवन के मार्ग पर मार्गदर्शन देता है। हमारे लिए उसका प्रेम इतना विशाल है कि वह हर समय हमारे बारे में सोचता है।

शांति के विचार

परमेश्वर यिर्मयाह 29:11 में कहता है,

''...मै उन योजनाओं को जानता हूँ जो मैने तुम्हारे लिए बनाई है... तुम्हें समृद्ध करने की योजनाएं, तुम्हें हानि न पहुंचाने की योजनाएं; तुम्हें आशा और भविष्य देने की योजनाएं।''

जिस संसार में हम रहते हैं, वह शैतान की कुटिल चालों से भरा हुआ है। परन्तु प्रभु, ''जिसने हमारे परमेश्वर और पिता की इच्छा के अनुसार, हमें इस वर्तमान दुष्ट युग से बचाने के लिए हमारे पापों के निमित्त स्वयं को दे दिया'', वह हमें दुष्ट शक्तियों के विरुद्ध खडे होने में सहायता करेगा (गलतियों 1:4) बाइबल इस बात की पुष्टि करती है कि हमारा शत्रु शैतान है, जो गरजते हुए सिंह के समान इधर-उधर घूमता रहता है और किसी को फाड खाने की खोज में रहता है (1 पतरस 5:8)

परमेश्वर ने हमें अपने ही स्वरूप में बनाया ताकि हम उसी के समान हो सकें। परन्तु, संसार की शुरुआत में ही पाप ने हमें परमेश्वर से अलग कर दिया। अदन की वाटिका में, आदम और हव्वा, परमेश्वर द्वारा सृजित प्रथम युगल, उसको परमेश्वर की उपस्थिति का निकट से आनंद लेने का सौभाग्य प्राप्त था। वे प्रभु परमेश्वर की आवाज सुन सकते थे, जब वे दिन के ठंडे समय में बगीचे में उनके बीच टहल रहे थे (उत्पत्ति 3:8) परमेश्वर की आत्मा द्वारा सुरक्षित

Stella Dhinakaran / stella@jesuscalls.org

ऐसे स्थान में, शैतान ने प्रवेश पा लिया, ताकि वह परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए पहले पुरुष और स्त्री को धोखा दे सके। आदम और हव्वा दोनों ही शैतान के प्रलोभन में फँस गए, और परमेश्वर के साथ अपनी निकटता खो बैठे।

भजन संहिता 143:3 कहता है कि शैतान ही हमें अंधकार में रहने पर मजबूर करता है। लेकिन प्रभु, जो सच्चा प्रकाश हैं, इस संसार में जन्मे हर व्यक्ति को प्रकाश देते हैं (यूहन्ना 1:9)।

ठीक वैसे ही जैसे बहुत पहले अदन के बगीचे में शैतान प्रकट हुआ था, वह आज भी पृथ्वी पर सक्रिय रूप से घूम रहा है, ताकि उन लोगों की आत्माओं को नष्ट कर सके जो सही मायने में परमेश्वर की हैं।

मै 16 साल की एक होशियार, युवा लड़की की कहानी सुनाना चाहूँगी, जिसे मौज-मस्ती करना बहुत पसंद था। मनोरंजन के उसके साधन उसे परमेश्वर और उनके प्रेम की खोज करने से दूर रखते थे। उसे परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत रिश्ते की तुलना में जीवन के आकर्षण अधिक दिलचस्प लगते थे। लेकिन प्रभु, जो उसके विचारों को दूर से ही समझ लेते थे (भजन संहिता 139:2), ने उस पर दया की और उसके हृदय को अपने प्रेम से भर दिया। उस लड़की के जीवन में सब कुछ बदलने लगा, जब उसने परमेश्वर को उससे बातें करते हुए सुनना शुरू किया। परमेश्वर के वचनों ने उसके हृदय को छुआ और उसे अपने पुराने तौर-तरीकों से पश्चाताप करने के लिए प्रेरित किया। उसने अपने भविष्य को परमेश्वर के हाथों में सौपकर, अपना जीवन परमेश्वर के नियंत्रण में दे दिया। प्रभु ने उसके आँसू देखे और एक कोमल चरवाहे की तरह उसका मार्गदर्शन किया,ठीक वैसे ही जैसे वे राजा दाऊद के साथ थे।

वह लड़की एक 'प्रार्थना योद्धा' के रूप में विकसित हुई, और यहाँ तक कि उसके बुढ़ापे तक भी प्रभु ने उसके साथ रहने का वादा किया। उसके कारण उसके परिवार को भी आशीष मिली, और पीढ़ियों तक वे समृद्ध होते रहे। वह एक आध्यात्मिक अगुवा बनी, जिसने लाखों लोगों के साथ यीशु के प्रेम को साझा किया। आज भी, प्रभु की शक्तिशाली भुजा उसे थामे हुए है, क्योंकि वह लगातार यह सुसमाचार साझा कर रही है कि यीशु जीवित है।

> **प्रभु अपने लोगों के लिए करुणा और प्रेम से भरे हुए है। वे उन्हें याद रखते है जो उनका अनुसरण करते है**

वह लड़की कोई और नहीं, बल्कि मैं स्वयं हूँ। मैं आज भी चकित हूँ, यह सोचकर कि प्रभु किस तरह मेरी देखभाल करते हैं और मेरा ध्यान रखते हैं।

प्रभु हमारे हर विचार को समझते है (यिर्मयाह 23:20)

बाइबल 1 इतिहास 28:9 में दाऊद और सुलैमान की एक मार्मिक तस्वीर पेश करती है, जहाँ राजा दाऊद अपने बेटे सुलैमान से बातचीत कर रहे है। वह कहते है, "और हे मेरे बेटे सुलैमान, तू अपने पिता के परमेश्वर को जान, और एक सच्चे मन और अपनी इच्छा से उसकी सेवा कर; क्योंकि प्रभु सभी हृदयों को जाँचता है और विचारों के सभी इरादों को समझता है। यदि तू उसे खोजेगा, तो वह तुझे मिल जाएगा; परन्तु यदि तू उसे त्याग देगा, तो वह तुझे सदा के लिए छोड़ देगा।"

प्रभु, वास्तव में, परमेश्वर है। वह हमारे हृदयों को जाँचता है और हर विचार को समझता है। उत्पत्ति 6:5 घोषणा करता है: 'प्रभु ने देखा कि पृथ्वी पर मानव जाति की दुष्टता कितनी बढ़ गई थी, और यह कि मानव हृदय के विचारों का हर झुकाव हर समय केवल बुरा ही होता था।'

परमेश्वर ने दाऊद को 'अपने ही हृदय के अनुसार एक मनुष्य' (1 शमूएल 13:14) कहकर पुकारा, क्योंकि दाऊद का हृदय परमेश्वर की इच्छा के साथ जुड़ा हुआ था। फिर भी, जब दाऊद ने परमेश्वर के लिए एक भवन बनाने की इच्छा की, और ऐसा नहीं कर सका, तो परमेश्वर ने सुलैमान के द्वारा उस योजना को पूरा किया। दाऊद के हृदय के कारण दाऊद का आशीर्वाद सुलैमान पर उतरा। हाँ, प्रभु तुम्हें वह देगा जो तुम्हारे लिए अच्छा है (भजन संहिता 85:12)।

जब भाई डी.जी.एस. दिनाकरन ने दुनिया भर के छात्रों को विश्व-स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए एक शैक्षणिक संस्थान शुरू करने हेतु परमेश्वर की पुकार सुनी, तो उनके पास हाथ में कोई पैसा नहीं था। परन्तु प्रभु ने, जिसने उन्हें

पूरे मन से प्रभु को खोजें। वह आपको बेहिसाब आशीष देंगे

वह दर्शन दिया था, उनके लिए सब कुछ जुटाया उन्हें अपनी प्यारी बेटी को एक सड़क़ दुर्घटना में खोने जैसी निजी त्रासदियों का सामना करना पडा, इससे पहले कि वे परमेश्वर के बडे उद्देश्य की पूर्ति देख पाते – कारुण्या विश्वविद्यालय की स्थापना।

इसी तरह, परमेश्वर उस व्यक्ति से प्रेम करता है – और उसे खोजता है – जो उसे प्रसन्न करता है। कोई भी व्यक्ति जिसका हृदय परमेश्वर के सामने सच्चा है, और जो उसके स्पर्श के लिए तरसता है, वह परमेश्वर की कृपा पाने की आशा कर सकता है, ताकि वह असंभव को संभव होते देख सके।

भजन संहिता 33:9 परमेश्वर की शक्ति का वर्णन करता है: 'क्योंकि उसने कहा, और वह हो गया; उसने आज्ञा दी, और वह स्थिर हो गया।'

प्रभु पर भरोसा रखें कि वह आपको इन मुश्किलों से पार ले जाएगा। जब आप प्रभु का हाथ थामे रहेंगे, तो वह आपकी हर मांग या सोच से कहीं बढक़र, बहुत अधिक काम करेगा।

परमेश्वर की योजना पीढिय़ों तक बनी रहती है

'प्रभु की योजनाएँ सदा स्थिर रहती है, उसके हृदय के उद्देश्य सभी पीढिय़ों तक बने रहते है।'

(भजन संहिता 33:11)

यशायाह 51:2 में, हम पढते हैं कि जब परमेश्वर ने अब्राहम को बुलाया, तो वह केवल एक अकेला व्यक्ति था, जो परमेश्वर का आशीर्वाद पाने के बाद, बढक़र एक बडी संख्या में बदल गया। मत्ती 1:1–17 यीशु की वंशावली का वर्णन करता है, जिसकी शुरुआत अब्राहम से होती है। प्रभु अपने वादे के प्रति सच्चा है। जब आप उस पर भरोसा रखेंगे, तो वह कभी भी आपका हाथ नहीं छोडेग़ा। जिसने आपको बुलाया है, वह विश्वासयोग्य है, और वह इसे पूरा करेगा (1 थिस्सलोनिकियों 5:24)।

बिल्कुल अब्राहम की तरह, जिसने अंत तक परमेश्वर पर विश्वास किया, बाइबल एक और व्यक्ति, अय्यूब के बारे में बताती है, जिसका घोर विपत्ति के समय भी अडिग विश्वास परमेश्वर का ध्यान अपनी ओर खींचने में सफल रहा। अय्यूब पूरे विश्वास के साथ कहता है, "भले ही वह मुझे मार डाले, फिर भी मैं उस पर भरोसा रखूंगा। ऐसा होने पर भी, मैं उसके सामने अपने जीवन के तरीकों का बचाव करूंगा।" (अय्यूब 13:15)। और वह इस बात को फिर से दोहराता है: "परन्तु परमेश्वर उस मार्ग को जानता है जिस पर मैं चलता हूँ; जब वह मुझे परख लेगा, तो मैं सोने के समान निकलूँगा" (अय्यूब 23:10)।

अय्यूब का परमेश्वर पर अटूट विश्वास और अपने सृष्टिकर्ता के प्रति पूर्ण आज्ञाकारिता अय्यूब 42:2 में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जहाँ वह कहता है, ''मैं जानता हूँ कि तू सब कुछ कर सकता है, और तेरी कोई भी योजना तुझसे छिपी नहीं रह सकती।''

इसके तुरंत बाद, हम अय्यूब 42:10 में पढते हैं कि 'प्रभु ने अय्यूब के नुकसान की भरपाई कर दी, और उसे पहले की तुलना में दुगुना अधिक दिया'। दोगुनी आशीष!

प्रियजनों, जब आप अपने विश्वास का जायजा लेते हैं, तो आपको क्या मिलता है? क्या आप कह सकते हैं कि आपका विश्वास सच्चा और स्थिर है? या, जब मुश्किलें आती हैं, तो क्या यह डगमगा जाता है, और आपको चिंतित और निराश छोड.देता है?

खुद को हिम्मत दें और विश्वास के महान लोगों, जैसे अब्राहम, दाऊद और दानिय्येल को देखकर प्रेरणा लें। उनका जीवन आसान नहीं था। उनकी सारी मुश्किलें उनकी संभालने की क्षमता से कहीं ज़्यादा थीं। फिर भी, वे जानते थे कि परमेश्वर बचाने में समर्थ है। अपने अटूट विश्वास के कारण उनमें से हर एक को परमेश्वर से आशीष मिली। ठीक उनकी तरह, जब आप अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित करते हैं, तो आप भी परमेश्वर के हस्तक्षेप का अनुभव कर सकते हैं।

मेरे परिवार में, हम सभी हर दिन परमेश्वर का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करते हैं। जब भाई दिनाकरन ने एक अकेले व्यक्ति के रूप में प्रभु की सेवा शुरू की थी, तब से लेकर अब तक, जब हम एक परिवार के रूप में परमेश्वर की सेवा करते हैं, हम अपने जीवन के हर पडाव पर परमेश्वर की अनमोल योजना की पूर्ति की गवाही दे सकते हैं। पवित्र आत्मा से हमें सामर्थ्य देकर, प्रभु हमें याद दिलाते हैं कि उन्हें हमारी परवाह है। ऐसी ही आशीष आज आपकी भी है। इसे आदर के साथ स्वीकार करें, और अपने बारे में परमेश्वर के विचारों के लिए उनका धन्यवाद करें।

1 **भजन संहिता 102:15 – प्रभु अपनी महिमा में प्रकट होंगे**
मनन: यूहन्ना 12:28; प्रेरितों के काम 7:55,56; 2 कुरिन्थियों 4:6

2 **जकर्याह 10:12 – प्रभु आपको बल देंगे**
मनन: अय्यूब 4:4; 1 तीमुथियुस 1:12; 2 तीमुथियुस 4:17

3 **नीतिवचन 8:17 – प्रभु हमारे मित्र है**
मनन: यशायाह 43:4; यिर्मयाह 31:3; यूहन्ना 15:15

4 **इब्रानियों 7:25 – परमेश्वर जो बचाने में समर्थ है**
मनन: भजन संहिता 20:6; यशायाह 63:1; सपन्याह 3:17

5 **यशायाह 27:6 – आप सामर्थ्य/फलों से भर जाएंगे**
मनन: उत्पत्ति 26:12; व्यवस्थाविवरण 28:4; रूत 2:12

6 **2 इतिहास 7:16 – वह परमेश्वर जो हमें देखता है**
मनन: अय्यूब 36:7; भजन संहिता 34:15; यहेजकेल 36:9,10

7 **नीतिवचन 20:7 – आपके बच्चे धन्य है**
मनन: उत्पत्ति 22:17; भजन संहिता 144:12; यशायाह 54:13

8 **यशायाह 26:12 – प्रभु शांति देता है**
मनन: 1 इतिहास 12:18; यूहन्ना 14:27; 2 थिस्सलोनिकियों 3:16

9 **यिर्मयाह 20:11 – प्रभु हमारे साथ है**
मनन: उत्पत्ति 28:15; व्यवस्थाविवरण 31:8; 1 इतिहास 28:20

10 **यशायाह 35:10 – आनन्द और हर्ष**
मनन: यशायाह 51:3; यिर्मयाह 15:16; लूका 1:14

11 **यूहन्ना 14:12 – प्रभु के कार्य**
मनन: 1 कुरिन्थियों 15:58; याकूब 1:4; प्रकाशितवाक्य 3:8

12 **इफिसियों 3:20 – वह प्रभु जो हमारे भीतर कार्य करता है**
मनन: भजन संहिता 107:24; यशायाह 63:7; 1 कुरिन्थियों 16:10

13 **लूका 8:50 – विश्वास के लोग बनें**
मनन: मत्ती 21:21,22; मरकुस 11:22,23; यूहन्ना 11:45

14 **यशायाह 51:11 – सदा रहने वाला आनन्द**
मनन: भजन संहिता 119:111; यशायाह 61:7; हबक्कूक 3:18

15 **मत्ती 28:18 – अधिकार**
मनन: निर्गमन 18:25; यशायाह 22:21; प्रकाशितवाक्य 2:26

16 **रोमियों 5:1 – विश्वास द्वारा धमी ठहराए गए**
मनन: हबक्कूक 2:4; प्रेरितों के काम 13:39; रोमियों 1:17

17 **भजन संहिता 25:14 – प्रभु की वाचा**
मनन: गिनती 10:33; व्यवस्थाविवरण 10:8; यहोशू 3:17

18 **व्यवस्थाविवरण 4:29 – जब आप प्रभु को खोजोगे, तब आप उसे पाओगे**
मनन: यशायाह 55:6; यिर्मयाह 29:13; मत्ती 7:7,8

19 **यिर्मयाह 31:33 – प्रभु की व्यवस्था**
मनन: नहेमायाह 8:18; यहेजकेल 44:24; रोमियों 7:22

20 **2 तीमुथियुस 1:7 – परमेश्वर के प्रेम का आत्मा**
मनन: होशे 11:4; रोमियों 5:5,8; 15:32; इफिसियों 2:4,5

21 **यूहन्ना 14:26 – वह प्रभु जो हमें सिखाता है**
मनन: 1 राजा 8:35,36; भजन संहिता 143:10; यशायाह 48:17

22 **यशायाह 25:4 – जरूरतमंदों को शक्ति**
मनन: 1 शमूएल 30:6; यिर्मयाह 16:19; 2 कुरिन्थियों 4:8

23 **यशायाह 3:10 – धर्मियों के लिए भलाई**
मनन: भजन संहिता 58:11; नीतिवचन 13:21; यिर्मयाह 32:39-42

24 **श्रेष्ठगीत 2:4 – प्रेम**
मनन: नीतिवचन 15:9; श्रेष्ठगीत 1:2; 4:10

25 **निर्गमन 16:4 – परमेश्वर हमें भोजन देता है**
मनन: रूत 1:6; भजन संहिता 111:5; 2 कुरिन्थियों 9:10

26 **नीतिवचन 28:20 – भरपूर आशीष**
मनन: व्यवस्थावि. 28:11; फिलिप्पियों 4:18,19; इफि 3:19

27 **यिर्मयाह 32:40 – प्रभु आपकी भलाई करेगा**
मनन: व्यवस्थाविवरण 26:11; न्यायियों 17:13; भजन संहिता 51:18; 119:68

28 **भजन संहिता 34:19 – प्रभु धर्मियों को बचाता है**
मनन: 2 शमूएल 22:18-20; नीतिवचन 11:21; यिर्मयाह 31:11

29 **गिनती 21:34 – डरें मत**
मनन: उत्पत्ति 15:1; 26:24; निर्गमन 14:13; 1 इतिहास 28:20

30 **नीतिवचन 23:18 – आपकी आशा टूटेगी नहीं**
मनन: भजन संहिता 146:5; नीतिवचन 3:5,6; यिर्मयाह 17:7

31 **प्रेरितों के काम 10:43 – प्रभु के नाम पर विश्वास**
मनन: यूहन्ना 1:12; 2:23; 1 यूहन्ना 3:23; 5:13

इन दैनिक आशीषों को नीचे दिए गए चैनलों पर देखें क्योंकि दिनाकरन परिवार इन सच्चाइयों को समझाता है और आपके साथ प्रार्थना करता है।

Website: www.jesuscalls.org/hi/dpv
Facebook:Jesus Calls page
Youtube: Subscribe to JesusCalls
Family Channel Mobile App
Family Channel: Online at www.familychannel.org

Printed by G.L.B.Ernest and Published by G.L.B.Ernest on behalf of Jesus Calls and Printed at Rasi Graphics Private Limited, DP 69-71-A, Sidco Industrial Estate, Thirumazhisai, Poonamallee Taluk, Thiruvallur District.
and published at 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Salai, Chennai - 28, Editor: G.L.B.Ernest

स्कूल वापसी

सीशा स्कूल किट के साथ

जिसमें किताबों से भी अधिक कुछ है

पूरे भारत में 11.7 लाख से ज्यादा बच्चे स्कूल से बाहर हैं, और उनमें से ज्यादातर बच्चों के लिए तो एक स्कूल बैग खरीदना भी मुमकिन नहीं है। सीशा में, हम गरीबी को किसी बच्चे की काबिलियत तय नहीं करने देते। अपने बाल विकास प्रोजेक्ट्स के जरिए, हम जरूरतमंद बच्चों के साथ खडे़ होते हैं और उन्हें ये चीजें देते हैं:

- ❊ शिक्षण केंद्र के जरिए स्कूल के बाद मुफ्त ट्यूशन
- ❊ स्वास्थ्य शिविर और ज्ञान बढाने वाले समर कैंप
- ❊ छात्रवृत्ति, नए कपडे, स्कूल किट, और भी बहुत कुछ

सीशा स्कूल किट - जिसमें एक स्कूल बैग, लंच बॉक्स और क्लास के हिसाब से स्टेशनरी शामिल है , गरीबी और संभावना के बीच की खाई को पाटती है। वंचित के लिए डिजाइन की गई यह किट यह पक्का करती है कि हर बच्चा पूरी तैयारी, आत्मविश्वास और सीखने की ललक के साथ स्कूल जाए!

हर साल मई में, लगभग में, लगभग 1,000 बच्चे हमारे समर कैंप में अपनी छिपी प्रतिभा को पहचानते हैं, वे नए कौशल सीखते हैं, अपनी अंदरूनी क्षमताओं को खोजते हैं, और एक सुरक्षित माहौल में बचपन की खुशियों का अनुभव करते हैं।

बिना किसी बोझ के सीखना

'मेरे पिता के गुजर जाने के बाद, मेरी माँ बडी मुश्किल से हमारी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर पाती हैं। हर नया स्कूल साल अपने साथ स्कूल के सामान को लेकर नई चिंताएँ लाता था। सीशा की स्कूल किट ने चुपचाप वह बोझ हटा दिया और मैं अपनी पढाई पर ध्यान दे पाई। अब मैं अपनी कक्षा के सबसे अच्छे स्टूडेंट्स में से एक हूँ। उस बैग में सिर्फ़ किताबें ही नहीं थीं उसमें उम्मीद भी थी!'

– सुश्री पवित्रा, कक्षा 8, अदयालम्पट्टू लर्निंग सेंटर

इस साल, सीशा का लक्ष्य 20,000 जरूरतमंद स्टूडेंट्स को स्कूल किट देना है, ताकि वे उम्मीद के साथ अपना नया स्कूल साल शुरूकर सकें। आप इन बच्चों के भविष्य को इस तरह सहारा दे सकते हैं:

❊ 10 बच्चों के लिए स्कूल किट प्रायोजक करें: रु 5,000/- ❊ एक सम्मर कैंप प्रायोजक करें: रु 7,500/सेंटर

TAX EXEMPTED

UPI ID : 9384015155@okbizaxis

G Pay PhonePe Paytm UPI pay

You can also donate through: https://seesha.app

044 66660000
+91 9300 600 600

www.seesha.org
info@seesha.org

SEESHA house No.37, Gandhi Road, Tambaram (West), Chennai - 600045

DONATE TO SEESHA

* When you Donate send the Details to +91 9300 600 600

घर जैसा ही एक और घर! सीशा का 'ओल्ड एज केयर होम' (बुजुर्गों की देखभाल का घर), जो कोयंबटूर के कारुण्या नगर में सिरुवानी झरने की शांत तलहटियों में बसा है, बहुत ही कम खर्च पर बुजुर्गों के लिए प्यार-भरा सहारा, पौष्टिक खाना और उनकी सेहत की देखभाल की सुविधा देता है। हमारी मदद करें ताकि कोई भी बुजुर्ग अकेला और भुलाया हुआ महसूस न करे। आप नीचे दिए गए तरीकों से हमारा सहयोग कर सकते है: ❊ एक बुजुर्ग की पूरी देखभाल: रु 15,000/महीना ❊ 4 बुजुर्गों की देखभाल: रु 60,000/महीना

अगर आप किसी बुजुर्ग नागरिक को सहारा देने का वादा करते हैं, तो आपको 'सीशा' का एक रिस्टबैंड मिलेगा, जिस पर "Hold their hands, heal their hearts" (उनके हाथ थामें, उनके दिल को सुकून दें) लिखा होगा और यह कोरियर से सीधे आपके दरवाजे तक पहुँचाया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए +91-9500 127275 पर कॉल करें!

REGISTERED Newspaper PRGI No. TNHIN/2003/11592

यीशु पुकारतें हैं पत्रिका

अपने विश्वास को पोषित करें।
अपनी आध्यात्मिक यात्रा को मजबूत करें।

यीशु पुकारते हैं पत्रिका लाखों पाठकों तक परमेश्वर का आशीर्वाद पहुँचा रहा है। इसके हर अंक में दिनाकरन परिवार की ओर से बाइबल पर आधारित स्पष्ट शिक्षाएँ, सेवकाई से जुडी ताजा खबरें, व्यक्तिगत और पारिवारिक चुनौतियों के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन, सशक्त गवाहियाँ, युवाओं के लिए विचारोत्तेजक लेख और बच्चों के लिए एक जीवंत अनुभाग होता है। इस अनुभाग में बाइबल पर आधारित कहानियाँ, वचन और गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जो बच्चों को परमेश्वर के वचन में बढने में मदद करती हैं।

एक लेख से बदल गई जिंदगी

मैं लगातार आने वाले प्रलोभनों से प्रभावित था और खुद को हारा हुआ व थका हुआ महसूस कर रहा था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इन पर विजय कैसे पाऊँ। उसी दौरान, मैंने यीशु पुकारतें हैं पत्रिका के युवा अनुभाग में "More Than Overcomers' (विजयी से भी बढकर) शीर्षक वाला लेख पढा। उस लेख ने सीधे तौर पर मेरी स्थिति को संबोधित किया। उसमें दिए गए मार्गदर्शन ने मुझे मजबूती दी और हर दिन नेकी के मार्ग पर चलने में मेरी मदद की। इस जीवन-बदल देने वाले संदेश के लिए धन्यवाद, भाई सैमूएल।

- गॉडसन, चेन्नई

अब 7 भाषाओं में, विभिन्न देशों के लगभग 1.5 लाख पाठकों तक पहुँचने वाली यह पत्रिका, परमेश्वर के सत्य के माध्यम से लोगों के जीवन को लगातार सही दिशा दिखा रही है।

यदि आप परमेश्वर के साथ अपनी आध्यात्मिक यात्रा में सही दिशा, शक्ति या स्पष्टता की तलाश में हैं, तो यह पत्रिका कदम-दर-कदम आपके साथ चलेगी।

वार्षिक सदस्यता: रु 500

आॅनलाइन पढें: **www.jesuscalls.org/magazine**

QR कोड स्कैन करें

DOWNLOAD

JESUS CALLS MOBILE APP NOW

Available in Android & IOS

परमेश्वर का आशीर्वाद कभी भी, कहीं भी पाएं

SCAN AND DOWNLOAD NOW

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

- प्रतिदिन आशीष का वीडियो
- नए गीत और अद्भुत कार्यक्रम देखें
- अपनी प्रार्थना के निवेदन भेजें
- अपने नजदीकी प्रार्थना भवन का पता लगाएं
- लाखों लोगों के आंसू पोंछने के लिए दान दें
- पत्रिका पढ़ें (बहुत जल्द आ रहा है)
- तुरंत सूचनाएं पाएं
- ताकि आप कोई भी आशीर्वाद न चूकें

अभी QR कोड स्कैन करें या PLAY STORE (ANDROID) या APP STORE (IOS) पर 'JESUS CALLS' खोजें और इसे अभी डाउनलोड करें

सहायता के लिए कॉल करें: 044-23456677 (या) वेबसाइट पर जाएं: www.jesuscalls.org/app